जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 332 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 27 जून, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

माना जा रहा है कि, तीन बी ईटर चिड़ियों की यू.के. में ऐतिहासिक वापसी हुई है। गत वर्ष गर्मी में नॉरफोक में ब्रीडिंग बी ईटर्स की एक कॉलोनी ने सफलतापूर्वक प्रजनन किया था। इस वर्ष उनमें से तीन बी ईटर्स ने वापसी की है। आर.एस.पी.बी. (रॉयल सोसायटी फॉर प्रोटैक्शन ऑफ बड्र्स) ने बताया है कि, तीन रंगबिरंगी चिड़ियाँ, नॉरफोक के शहर क्रोमर के पास नज़र आई हैं, जिनमें से एक प्रजनन योग्य जोड़ा है। यह पहली बार है, जब बी ईटर्स लगातार दूसरे साल एक ही प्रजनन स्थल पर लौटी हैं। आर.एस.पी.बी. की निगरानी वाले इस क्षेत्र को, इस खूबसूरत पक्षी का इंतज़ार कर रहे लोगों के लिए खोल दिया गया है। आर.एस.पी.बी. के मार्क थॉमस ने कहा, पूरी संभावना है कि, ये पक्षी वही हैं जिन्होंने गत वर्ष इस क्षेत्र में प्रजनन किया था। उन्होंने कहा, ''बी ईटर्स द्वारा यू.के. में कॉलोनी बनाने की यह शुरुआत लगती है। लेकिन, उनका लौटना यह भी याद दिलाता है कि, यह गर्म होती जलवायु का असर है।'' मार्क ने कहा कि, बी इटर प्रजाति के पक्षी भूमध्यसागरीय क्षेत्र के दक्षिणी भाग में और उत्तरी अफ्रीका में मिलते हैं और चूंकि धरती गर्म हो रही है इसलिए ये पक्षी उत्तर की तरफ बढ़ रहे हैं। आकार में स्टर्लिंग चिड़िया जितने बड़े ये पक्षी लाल पीठ, पीली गर्दन और गहरे फिरोज़ी रंग के पेट से पहचाने जाते हैं। मधुमक्खियां, ड्रैगनफ्लाई व उड़ने वाले अन्य कीड़े इनका प्रिय भोजन हैं। ब्रिटेन में गत 20 सालों में बी ईटर्स द्वारा प्रजनन के 6 प्रयासों का रिकॉर्ड उपलब्ध है, जिसमें अंतिम सफल प्रयास 2014 का आइल ऑफ वाइट का है। यू.के. में 1955 के बाद पहली बार 2002 में डरहम काउन्टी के बिशप मिडिलहैम में बी ईटर्स के बच्चों का जन्म हुआ था। यू.के. में यदा -कदा ही प्रजनन करने वाले इन पक्षियों का गत 20 वर्ष में इंग्लैंड में प्रजनन का यह सातवां प्रयास है। विश्व में 27 प्रकार के बी ईटर्स हैं और अधिकांश एशिया व अफ्रीका में मिलते हैं। उम्मीद की जा रही है कि, पूरी गर्मी ये पक्षी यहां रहेंगे और सर्दी आने पर दक्षिणी अफ्रीका चले जाएंगे।

वागनर विद्रोह के बाद पुनः पुतिन के अजेय होने की किंवदंति स्थापित करना मुश्किल है

पुतिन का कमजोर होना चीन के गले में घंटी बना

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। वागनर मर्सीनरी (भाड़े के सैनिको का एक समूह) समूह के मुखिया इवगैनी प्रिगोज़न, जिनकी प्राइवेट सेना ने यूक्रेन में रुस की तरफ से जोरदार लड़ाई की थी, की बगावत की वजह से रुस की स्थिति बदल गई है।

प्रिगोज़न गत शनिवार को अपने लोगों को रुस और यूक्रेन के युद्ध क्षेत्र में स्थित साउथ कैम्प से मॉस्को की ओर बढ़ने का निर्देश दिया।

रुस में अचानक हुई तख्तापलट की कोशिश ने रुस और उसके सत्ता ढांचे के कई पक्षों को उजागर कर दिया है। इस घटना से यह पता लगा है कि रुस की एकाधिकारवादी सत्ता और पुतिन की मजबूत पकड़ सिर्फ झूठ है, पुतिन ने जब यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ा था तब से लेकर आज की तुलना में वे काफी कमजोर नज़र आते हैं।

- **वैसे तो शुरू से ही, रूस को ''असीमित दोस्ती'' का वादा एक अटपटा उद्घोष था। क्योंकि यूक्रेन के प्रकरण में चीन के ''असीमित समर्थन'' ने यूरोप को रूस के साथ ''शत्रु जैसा'' व्यवहार करने के लिये मजबूर कर दिया था। इससे चीन को व्यापारिक व व्यवसायिक नुकसान तो हुआ ही, चीन की प्रतिष्ठा को भी आघात पहुंचा।**
- **पहले तो, नागरिकों का हौसला बढ़ाने के लिये पुतिन ने राष्ट्रीय टी.वी. पर आकर मजबूती का परिचय देते हुए कहा, ''बगावतियों को बख्शा नहीं जायेगा। कठोर सज़ा दी जायेगी।''**
- **पर, फिर पुतिन को वागनर ग्रुप की शर्तें स्वीकार करते हुये, ''सज़ायाफ्ता कैदियों'' की इस फौज के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी तथा ''वागनर फौज'' को बेलारूस जाने के लिये ''सेफ पैसेज'' (बिना रोक टोक प्रस्थान) की सुविधा भी देनी पड़ी।**
- **रूस में पुरानी परम्परा है, जो नेतृत्व ''युद्ध'' में हार दिलाता है, उसके साथ निर्दयी व्यवहार होता है। उसे बदल भी दिया जाता है। यह 1905 में हुआ, रूस-जापान युद्ध के बाद और फिर 1917 में भी यह ही देखा गया। क्या यह खतरे की घंटी जैसी स्थिति नहीं है।**

इसी के साथ रुस में हुए इस अचानक घटनाक्रम जिसे ''आन्तरिक मामला'' बताया जा रहा है, का भारी कूटनीतिक प्रभाव पड़ा है। यकायक ही चीन को रुस ''गले की घंटी'' लगने लगा है जबकि पहले वह चीन को अमेरिका व पश्चिम के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा था।

पक्के दोस्त के कमजोर होने के कारण चीन खुलकर रुस के राष्ट्रपति की मदद को सामने आया और भाड़े की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मुख पत्र सामना में शिव सेना ने विपक्ष की एकता को ''वागनर सेना'' बताया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। अपने मुखपत्र ''सामना'' के एक सम्पादकीय में शिव सेना (यू.बी.टी.) ने एक विचित्र समानता दर्शाते हुए, भारत की विपक्षी पार्टियों की तुलना रूस के किराए के सैनिकों (मार्सिनरी) के वागनर ग्रुप से की है, जिसने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के विरूद्ध विद्रोह किया था।

शिव सेना ने अपने मुखपत्र सामना के सम्पादकीय में वागनर ग्रुप को ''प्रजातंत्र का रक्षक'' बताते हुए कहा है कि, जैसे वागनर चीफ इवगैनी प्रिगोज़न ने पुतिन के खिलाफ विद्रोह किया, वैसे ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराने के लिए पटना पर एक मंच पर इकट्ठे हुए।

- **अपने सम्पादकीय में शिव सेना (उद्धव ठाकरे ग्रुप) ने कहा, जैसे ''वागनर सेना'' तानाशाह पुतिन के खिलाफ विद्रोह कर, ''डैमोक्रेसी'' स्थापित करना चाहती है, उसी प्रकार विपक्ष तानाशाह (मोदी-अमित शाह) के खिलाफ संगठित होकर प्रजातंत्रीय ढांचा (डैमोक्रेसी) स्थापित करना चाहता है।**
- **पर, सामना यह भूल गया कि, ''वागनर सेना'' जेलों से रिहा कराके, सज़ायाफ्ता कैदियों को संगठित करके, बनायी ''पेशेवर सैनिकों'' की फौज है।**

वागनर के साथ तुलना अजीब है, क्योंकि यह रूसी समूह भाड़े के सैनिकों का एक ग्रुप है जिसमें रूस की जेलों से अभियुक्तों को भर्ती किया गया है।

प्रिगोज़न के सशस्त्र बलों ने रस्तोव-ना-दान एवं सदर्न मिलिटरी डिस्ट्रिक्ट पर कब्जा कर लिया था और मॉस्को की तरफ बढ़ रहा था। बेलारूस के राष्ट्रपति, एलैक्ज़ैण्डर लूकाशेंको के साथ बातचीत के बाद प्रिगोज़न पीछे हटने को राजी हो गया तथा इसी जून माह में उसने रस्तोव-ना-दान से अपने सैनिक हटाने शुरू कर दिए। वागनर के विद्रोह के दौरान रूस की मिलिटरी के कम से कम 13 लोग मारे गए, जबकि, वागनर लड़ाकों की तरफ किसी को हताहत होने की सूचना नहीं है।

सामना के सम्पादकीय में कहा गया कि, ''पुतिन की तरह, मोदी-शाह तानाशाही और सम्पूर्ण अधिनायकवाद लाने की कोशिश कर रहे हैं।''

सम्पादकीय में आगे कहा गया कि ''मोदी-शाह जोड़ी ने विजय प्राप्त करने तथा मतदाताओं पर दबाव बनाने के लिए बड़ी संख्या में भाड़े के सैनिक (मर्सिनरी) तैयार किए हैं।

इस बीच, शिव सेना (यू.बी.टी.) नेता, संजय राउत ने वागनर उपमा का उपयोग, शिव सेना-शिंदे गुट के साथ भाजपा के गठबंधन के संदर्भ में किया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री शिंदे और उनके मंत्रियों की स्थिति ''रूस की भाड़े की सेना'' की तरह है। वो (शिंदे ग्रुप) भी आपके ऊपर (भाजपा पर) हमला करेंगे। वो किसी के सगे नहीं हैं।''

सामना के सम्पादकीय ने प्रधानमंत्री की हाल की अमेरिका यात्रा पर भी तंज कसे और ''अनुचित व अयोग्य अंग्रेजी'' में बोलने के लिए उनकी आलोचना की।

सम्पादकीय में कहा गया कि ''यह स्पष्ट नज़र आ रहा है कि, भारत के प्रजातंत्र, संविधान तथा अल्पसंख्यकों पर हमलों के बारे में वॉशिंगटन की प्रैस कॉन्फ्रैंस में पूछे गए प्रश्नों के कारण प्रधानमंत्री के पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई है।''

केरल स्टोरी के निर्माताओं की अगली फिल्म ''बस्तर''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। फिल्म निर्माता विपुल शाह और सुदीप्तो सेन जिन्होंने साथ मिलकर ''केरल स्टोरी'' बनाई थी अब वे एक नए प्रोजैक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसका शीर्षक है ''बस्तर'', यह फिल्म 2024 में रिलीज़ होगी।

शाह के बैनर ''सनशाइन पिक्चर्स'' ने अपने ट्विटर पेज पर यह घोषणा की कि 5 अप्रैल 2024 को हमारी नई फिल्में थेटर में रिलीज़ होगी।

- **फिल्म निर्माता विपुल शाह और सुदीप्तो सेन ने अपने बैनर के ट्विटर पेज पर यह घोषणा की और कहा कि, यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है।**

उन्होंने लिखा, ''हमारी नई फिल्म ''बस्तर'' एक और सच्ची घटना देखने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

चीन ने भी बातचीत करके रूस-यूक्रेन युद्ध समेटने की बात की

कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व सचिव हू शीजिन ने भी चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स में वार्ता का यह प्रस्ताव रखा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। रूस के राष्ट्रपति युद्ध से थक चुके हैं। व्लादिमिर पुतिन के लिये स्थितियाँ अमंगलकारी हो रही हैं। भाड़े के सैनिकों के ''वागनर ग्रुप'' की कथित बगावत के बाद, पुतिन की स्थिति कमजोर हो गई है। ऐसा लगता है कि उनका मित्र देश चीन भी अब सोचने लगा है कि अब संधि-वार्ता शुरु कर देने का समय आ चुका है।

- **पूर्व सचिव हू शीजिन के अनुसार अब ''शाडनफ्रॉयड'' (दूसरों की बर्बादी देख कर आनंद लेने) का समय नहीं है।**
- **मॉस्को का ड्रामा वैसी घटना नहीं है, जैसे कि, नदी के दूसरे तट पर लगी हुई आग हो, जिसे तटस्थ भाव से केवल देखा जा सकता है।**
- **अतः चीन उस नीति के अनुसरण में काम करना चाहता है, जिससे रूस-यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण निपटारा हो।**

पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टों का कहना है कि एलैक्जैंडर खोदाकोव्स्की, जो यूक्रेन की पृथकतावादी ताकतों का रूस-समर्थित कमान्डर है, ने वागनर ग्रुप की बगावत के अन्त के बाद, रविवार को एक अशुभ चेतावनी पोस्ट की है, जिसमें दावा किया है कि यह देश ''अब'' वैसा ही कभी नहीं होगा।''

वागनर ग्रुप के नेता इवगैनी प्रिगोज़न ने शुक्रवार को उस समय रूस के रक्षा मंत्रालय के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी थी, जब रूस की सेना ने कथित रूप से यूक्रेन में मौजूद कंपनी के भाड़े के सैनिकों पर हमला कर दिया था तथा बहुत से सैनिकों को मार दिया था। सेनाओं ने, उत्तर में मॉस्को की तरफ बढ़ने से पहले, रूस के नगर रस्तोव-ना-दानू के सैन्य स्थलों पर नियंत्रण कर लिया था। अव्यवस्था तथा अस्पष्टता से भी एक दिन के बाद, बेलारूस की सरकार की मदद से हुई संधि के एक अंग के रूप में, वागनर ग्रुप को हट जाने का आदेश दे दिया गया था।

खोदाकोव्स्की की पोस्ट कहती है, ''हमारा देश फिर से उस स्थिति में कभी नहीं होगा। वागनर लड़ाकों का सैन्य दल डामर की सड़क पर नहीं चल रहा है, वह लोगों के दिलों में होकर, समाज के दो टुकड़े करते हुये गुजर रहा था। हमने ईश्वर से प्रार्थना की कि दुश्मन इस स्थिति का लाभ नहीं ले सके तथा सारे संसाधनों को युद्ध में झोंक देगा, हमारे पास कोई अवसर नहीं होगा। हमारा समय वैसे भी बहुत मुश्किल है, लेकिन कल सब कुछ एक बहुत ही पतले धागे पर लटका हुआ था। और वे लोग जो

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एक दिन में सुनाए रिकॉर्ड 65 फैसले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस मुक्ता गुप्ता ने जज के रुप में, रिटायर होने से एक दिन से एक दिन पहले 65 निर्णय सुनाए।

ये महत्वपूर्ण निर्णय भी अब, फैसलों की उस लंबी लिस्ट में जुड़ गए हैं जो अपने 14 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने अकेले या अन्य न्यायाधीशों के साथ मिलकर लिखवाए हैं।

कानून जगत के लोग, जहाँ, जस्टिस गुप्ता की प्रशंसा करते हैं, चोर को चोर कहने के लिए, वहीं, संवेदनशील केसों में उनका रवैया सहानुभूतिपूर्ण नज़र आया है।

- **यह रिकॉर्ड बनाया है दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस मुक्ता गुप्ता ने, जो आज रिटायर हो रही हैं।**

रिटायर होने से एक दिन पहले दिए गए 65 निर्णयों में, उनकी अध्यक्षता वाली बैंच ने एक कैदी को मौत की सजा सुनाई। कुछ समय पूर्व दिए गए एक अन्य फैसले में, उनकी अध्यक्षता वाली बैंच ने बलात्कार और हत्या के एक केस में दो व्यक्तियों को बिना राहत के 20 वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'केजरीवाल जानते हैं, उनकी ग्रोथ कांग्रेस को कोसने से ही होगी'

इस 'थ्योरी' की अनुपालना वे 2013 से कर रहे हैं तथा पहले दिल्ली और फिर पंजाब में सत्ता में आये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। जब से दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविन्द केजरीवाल सक्रिय राजनीति में आये है, तभी से अर्थात् 2013 से ही, उनके द्वारा अपने अनुकूल सौदेबाजी के लिये खेल खेलना उनकी राजनीति की पहचान बन गये हैं और वे अब भी अपनी आजमाई हुई युक्ति एवं दाँवपेचों को काम में ले रहे हैं। अपनी इसी रणनीति के तहत तो उन्होंने पहली-मीटिंग से पहले यह घोषणा की थी कि अगर कांग्रेस दिल्ली-अध्यादेश पर अपना रूख स्पष्ट नहीं करेगी, तो वे विपक्षी दलों की 23 जून वाली पटना मीटिंग से वाक् आउट कर जायेंगे।

केजरीवाल जानते हैं कि उनकी पार्टी आप कांग्रेस की कीमत पर ही फल-फूल सकती है तथा अपना विस्तार कर सकती है, जैसा कि दिल्ली और पंजाब के मामलों में हुआ है, जहाँ पिछले 10 वर्षों में वह सत्ता में आने में सफल रही है।

- **इस ''थ्योरी'' का मूल आधार, यह तर्क है कि, क्योंकि आप एक छोटी पार्टी है, कांग्रेस की तुलना में, अतः जनता की सहानुभूति आप के साथ ही होगी।**
- **इस ''थ्योरी'' के अंतर्गत, आप उन राज्यों पर फोकस करती आयी है, जहां कांग्रेस का परम्परागत आधार मजबूत रहा है, जैसे गुजरात, और अब मध्य प्रदेश व राजस्थान में यह फॉर्मूला काम में लिया जायेगा।**
- **केजरीवाल ने श्रीगंगानगर से प्रदेश में अपना चुनाव अभियान शुरू करते हुए, मु.मंत्री गहलोत पर कटाक्ष किया कि, अगर गहलोत ने पांच साल जनता के लिये काम किया होता तो, इतने बैनर-होर्डिंग लगाने की नौबत नहीं आती।**
- **केजरीवाल ने यह भी कहा कि, भाजपा ने भी वसुंधरा राजे के शासन में भारी भ्रष्टाचार किया, इस आरोप को गहलोत ने भी जोशीले भाषणों में दोहराया था। पर, अब पायलट द्वारा यह मुद्दा बार-बार उठाने पर भी गहलोत कोई कार्यवाही नहीं कर रहे वसुंधरा राजे के खिलाफ। क्योंकि वसुंधरा राजे उनकी बहन समान हैं।**

जहाँ ऐसा लगा कि रविवार को कांग्रेस नेता अजय माकन द्वारा आप पार्टी पर किया गया हमला विपक्ष के उन प्रयासों के लिये एक धक्के का काम कर सकता है, जो 2024 के चुनावों में भाजपा के सामने एक संगठित मोर्चा खड़ा करने की दिशा में किये जा रहे हैं, वहीं केजरीवाल कांग्रेस को जनता की नज़रों तभी से खलनायक के रूप में प्रोजक्ट करने की कोशिश में लगे हुये थे, जब से विपक्षी एकता की चर्चा शुरु हुई है।

आप प्रमुख जानते हैं कि आप, एक छोटी पार्टी होने के नाते लोगों के दिलो-दिमाग में अपने लिए ज्यादा सहानुभूति पैदा कर लेगी, क्योंकि कांग्रेस बड़ी पार्टी है और यही कारण है कि कांग्रेस पर वे तभी से निशाना साधते आ रहे हैं, जब से वे अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुये ''इंडिया अगेन्स्ट करप्शन'' आंदोलन के माध्यम से जनता के सामने आये थे। इस तथ्य से सभी लोग सुपरिचित हैं कि ''इंडिया अगेन्स्ट करप्शन'' आंदोलन आर.एस.एस. एवं भाजपा द्वारा प्रेरित-प्रोत्साहित, वित्त-पोषित तथा गुप्त रूप से समर्थित था।

आप का फोकस उन्हीं राज्यों पर रहा है, जहाँ कांग्रेस सत्ता में है या जहाँ वह मजबूत है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण गुजरात में देखने को मिला, जहाँ आप पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनावों में एक बार फिर से भाजपा को जिताने में मदद की। पहले तो गोवा और हिमाचल में, और अब राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में, कांग्रेस के जनाधार में राजनैतिक घुसपैठ करने के मामले में आप पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

अजय माकन ने यह बात बिल्कुल साफ कर दी थी, जब उन्होंने कहा, ''एक तरफ तो अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस का समर्थन माँग रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, जब वे राजस्थान जाते हैं तो हमारे वरिष्ठतम नेताओं- तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत तथा बहुत वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सचिन पायलट के खिलाफ बयान देते हैं।'' माकन ने यह बाद रविवार को एक वीडियो-वक्तव्य में कही।

माकन ने कहा, ''क्या वे (आप) वास्तव में कांग्रेस का समर्थन चाहते हैं तथा हमारे साथ सुलह करना चाहते हैं?'' उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर भाजपा के साथ साँठ-गाँठ का आरोप लगाते कहा,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्र.मंत्री 5 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मध्यप्रदेश जा रहे हैं, पांच वंदे भारत एक्सप्रैस ट्रेनों को हरी झण्डी दिखाने के लिए। इनमें से एक ट्रेन भोपाल से इंदौर तथा दूसरी भोपाल से जबलपुर है।

तीन अन्य ट्रेन जिन्हें हरी झण्डी दिखाई जाएगी, वो हैं - गोवा (मडगाँव) से मुंबई, गोवा की पहली ट्रेन जो मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस तक जाएगी। रांची से पटना, झारखण्ड व पटना में पहली वंदे भारत ट्रेन तथा कर्नाटक में धारवाड़ से बेंगलुरु, जो हुबली को कनैक्ट करेगी।

- **इनमें से दो मध्य प्रदेश में हैं तथा शेष तीन गोवा-मुम्बई, रांची-पटना, और धारवाड़-बैंगलोर हैं।**

विचार बिन्दु

जनता की आवाज़ ईश्वर की आवाज़ है। –कहावत

पारदर्शिता और सरलीकरण के बिना भ्रष्टाचार की समाप्ति सम्भव नहीं

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसका किसी न किसी सरकारी कार्यालय से काम न पड़ा हो। यह भी सही है कि अधिकांश (या लगभग सभी) का अनुभव सुखद नहीं रहा होगा। प्रतिदिन हम सुनते हैं कि कैसे छोटे से काम के लिए नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण, कलेक्टर कार्यालय, परिवहन विभाग, पुलिस आदि द्वारा उन्हें कितना परेशान और प्रताड़ित किया जाता है। अनेक बार चक्कर लगाने के बाद भी अधिकारियों, कर्मचारियों से मिलने का उनका प्रयास सफल नहीं हो पाता।

हम कुछ उदाहरणों से इस स्थिति को समझने का प्रयास करेंगे कि किस प्रकार से प्रक्रियाओं की जटिलता के कारण भ्रष्टाचार को बढ़ाने में सहायता मिल रही है। हम जयपुर विकास प्राधिकरण या नगर निगम का ही उदाहरण लें। किसी को कोई भूखंड जयपुर विकास प्रन्यास या नगर निगम से आवंटित हुआ और उसने निर्धारित समय सीमा में मकान नहीं बनाया, तो उसे निरस्त करने का प्रावधान आवंटन के नियमों में ही होता है। इसके बावजूद, वर्षों तक भूखंड खाली रखने पर भी उसे न तो निरस्त किया जाता है, न ही भूखंड का कब्जा नगर निगम या जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लिया जाता है। इसी कारण भूखंड में निवेश को प्रोत्साहन मिलता है और जो व्यक्ति वास्तव में भूखंड पर निर्माण करके अपना घर बनाकर रहना चाहते हैं, वे ऐसा करने में असमर्थ हो जाते हैं।

निर्माण के लिए जे डी ए और नगर निगम ने नियम बना रखे हैं। यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में लोग बिना सेट- बेक छोड़े जितनी मंजिला बनाने की अनुमति है, उससे कहीं अधिक बना लेते हैं। यह स्थिति इसीलिए उत्पन्न होती है कि आवश्यकता के अनुसार नियमों को सरल एवं स्पष्ट नहीं बनाया गया। ऐसा नहीं है कि जेडीए अधिकारियों, कर्मचारियों को अवैध निर्माण की जानकारी ना हो। यह सर्वज्ञात है कि निर्माण कार्य प्रारंभ होने के कुछ समय बाद, संबंधित निकाय के निरीक्षक गण भूखंड के स्वामी के पास पहुंच जाते हैं और 'अनौपचारिक समझौता' उनके साथ कर लेते हैं। उन्हें सलाह दी जाती है कि वह अपने मकान की छत डलवा लें, ताकि बाद में तोड़ने की स्थिति उत्पन्न ही न हो। सबको पता है कि एक बार पूरा मकान बन जाए तो उसके बाद तोड़ना लगभग असंभव हो जाता है। जो व्यक्ति नियमों की पालना करने के उद्देश्य से निर्माण की अनुमति के लिए आवेदन करता है, वह अनिश्चितकाल तक उसकी प्रतीक्षा करता रहता है। दूसरा व्यक्ति जो नियमों की पालना न करते हुए, उसे धता बताकर, नगर निगम / जे.डी.ए. के कर्मचारी, अधिकारियों को 'सुविधा शुल्क' के बदले अवैध निर्माण की 'सुविधा' प्राप्त कर लेता है। वह निर्माण पूरा करके उसका लाभ प्राप्त करना प्रारंभ कर देता है। ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि निर्माण संबंधी नियम एवं प्रक्रिया की आवश्यक जानकारी स्पष्ट रूप से सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध करा दी जाए ताकि प्रत्येक नागरिक उसी के अनुसार काम कर सके? समस्या तब उत्पन्न होती है जब समान परिस्थिति वाले दो प्रकरणों में से एक, जो नियमानुसार चलना चाहता है, उसे तो रोक कर परेशान किया जाता है और दूसरा जो नियमों की अवहेलना करता है वह लाभ लेता दिखाई देता है। ऐसी परिस्थिति में अधिकांश नागरिक न चाहते हुए भी अधिकारियों की 'भेंट-पूजा' करने हेतु बाध्य हो जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया से नगर निगम और जेडीए के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए भ्रष्टाचार का अवसर तैयार हो जाता है। पाठकों में से शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने स्वयं या उनके मिलने वालों ने नगर निगम या जेडीए में कोई भी काम किसी प्रकार का सुविधा शुल्क दिए बिना निकलवा लिया हो।

होना तो यह चाहिए कि जो काम होना है, वह बिना किसी के कहे, निश्चित समय में पूरा कर दिया जाए और यदि कोई कमी है, तो वह काम किसी के भी कहने पर ना हो। जब किसी के कहलाने पर काम हो जाता है तो व्यक्ति 'कहलवाने' पर ही अपना पूरा जोर लगाता है और उसके लिए धनराशि व्यय करने के लिए तत्पर रहता है।

कोई व्यक्ति राशन कार्ड बनवाना चाहे तो उसके लिए कोई तरीका नहीं है। कोई उसे बताने वाला नहीं है कि उसके लिए कहाँ उसे प्रार्थना पत्र देना है और किन दस्तावेजों के आधार पर राशन कार्ड बना दिया जाएगा? कभी यह कहा जाता है कि आजकल राशन कार्ड वितरण का काम बंद किया हुआ है, और कभी ऐसे दस्तावेज मांगे जाते हैं जिन्हें प्राप्त करना संभव ही नहीं होता। योजनाएं लागू करने से पहले उपयुक्त होगा यदि संबंधित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी सामान्य नागरिक की तरह आवेदन करें। यदि वेबसाइट से, बिना किसी सहायता के, योजना का लाभ प्राप्त कर पाने में वे सफल हो जाएँ तो मानना चाहिए कि उनके द्वारा निर्धारित प्रक्रिया बिना किसी भेदभाव के और बिना किसी परेशानी के वांछित लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए उपयुक्त है।

सबसे बड़ी भूमिका तो कानून बनाने वाले अधिकारियों की है जो इस प्रकार की भाषा का उपयोग करते हैं जिसका 10 लोग 10 प्रकार का मतलब निकाल सकते हैं। क्या हम अपने नियमों की भाषा ऐसी नहीं बना सकते जिसे कोई भी व्यक्ति पढ़े, उसका एक ही मतलब निकले? ऐसा होने पर, किसी के लिए उनका दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार में लिप्त होने की सम्भावना बहुत कम हो जाएगी।

यहां एक और उदाहरण देना समीचीन होगा। हमारे एक मित्र ने अपने एक फ्लैट का नगरीय विकास कर, नगर निगम के मांगपत्र के अनुसार, कुछ वर्षों पूर्व पूरा चुका दिया था। इसके बावजूद, कुछ दिनों पूर्व उन्हें पुनः एक नया नोटिस मिला कि उनका नगरीय विकास कर बकाया है। उन्हें इसका कारण यह बताया गया कि पहले उनका फ्लैट पीछे की ओर मानते हुए कर की गणना की गई थी जबकि फ्लैट वास्तव में आगे सड़क की तरफ है। क्या पहली बार जब गणना की गई थी तो उन्हें नहीं पता था? मित्र ने जो पैसा जमा कराया था उसे समायोजित करते हुए शेष राशि का नोटिस देने की बात कही तो उनकी बात को नहीं सुना गया। वह नगर निगम के अधिकारियों से मिलने का असफल प्रयास कई बार कर चुके हैं। यह हाल तो उसका है जो ईमानदारी से पूरा कर चुकाना चाहता है। संभव है, कोई एजेंट या बिचौलिया उनसे शीघ्र संपर्क करे और उनसे कोई सुविधा शुल्क लेने का प्रयास करे।

कृषि भूमि पर अवैध आवासीय एवं व्यावसायिक निर्माण होने के अनेक मामले जयपुर में हैं। माननीय उच्च न्यायालय ने कई बार निर्णय दिया है आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। बड़े-बड़े नगर नियोजक क्या इतनी छोटी सी बात का ध्यान नहीं रख सकते थे कि जहां भी आवासीय कॉलोनी होगी वहां पर विभिन्न स्तरों की व्यावसायिक गतिविधियां चलाने के लिए व्यवस्था करनी होगी? पहले तो आप आवासीय भवन को व्यावसायिक कार्य हेतु परिवर्तन करने की अनुमति नहीं देंगे और कुछ लोग आवश्यकता के दबाव में ऐसा कार्य करना प्रारंभ कर देंगे तो उन्हें टोका भी नहीं जाएगा। स्थिति के गंभीर, विकराल रूप धारण कर लेने पर नगर निगम या जेडीए हाथ खड़े कर लेगा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों की पालना भी संभव नहीं है। हमें यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार तीन स्तरों का होता है, पहला वह जो उच्चतम स्तर पर बड़ी खरीद, ठेके आदि में होता है जहां पर सरकार के मंत्री, अधिकारी एवं उनका पूरा तंत्र किसी विशेष निजी ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के एवज़ में उनसे बड़ी राशि वसूल करता है। इसमें देने वाला और लेने वाला दोनों ही लाभ की स्थिति में होते हैं, इसलिए इस प्रकार के भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अलग तरीका अपनाना होगा। दूसरा, होता तो छोटे स्तर पर है, किंतु उसमें में भी नागरिक अपने स्वार्थ के लिए नियमों की अवहेलना करके गलत काम हेतु संबंधित अधिकारी, कर्मचारी से सांठगांठ करके ऐसा करता है। इसे भी रोकना मुश्किल है क्योंकि इसमें किसी को कोई शिकायत नहीं होती।

इसके अलावा एक भ्रष्टाचार ऐसा भी होता है जो मजबूरी में नागरिक को तो करना पड़ता है। यदि वह नियम और प्रक्रियाओं की पूर्णतया पालन करना भी चाहे तो उसका काम आगे नहीं बढ़ता। सरकारी प्रक्रियाओं की जटिलता और उनका अस्पष्ट होना इसका मुख्य कारण है। लगता है जैसे अस्पष्टता और जटिलता सरकारी कामकाज की पहचान बन गए हों। भारत सरकार के जिन उपक्रमों में इस दिशा में काम हुआ है जैसे रेलवे टिकट बुकिंग, इनकम टैक्स असेसमेंट, पासपोर्ट कार्यालय आदि, वहाँ भ्रष्टाचार अत्यंत कम हुआ है। जहां कर्मचारी और नागरिक के मिलने की अनिवार्यता नहीं हो, वहां भ्रष्टाचार की संभावना अपने आप कम हो जाती है। ऐसा करने में टेक्नोलॉजी की बड़ी भूमिका हो सकती है किंतु इसके लिए भी अच्छी नीयत की आवश्यकता तो होगी ही। टेक्नोलॉजी एक साधन है न कि साध्य।

साधारण ईमानदार नागरिक को कष्ट और क्षोभ तब होता है जब वह भ्रष्टाचार के तरीके अपनाने वाले व्यक्ति का काम सुगमता से होता हुआ देखता है और वह पंक्ति में अनिश्चित काल तक इंतजार ही करता रहता है। नियमों की पेचीदगी का लाभ उठाते हुए कर्मचारी, अधिकारी, भ्रष्टाचार के रास्ते निकाल ही लेते हैं।

राजस्थान में इस दिशा में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं के दबाव के कारण कुछ कानून तो बने जैसे, राजकीय सेवाओं को प्रदान करने की गारंटी का कानून, सुनवाई का कानून आदि, किंतु इन कानूनों की पालना न करने वाले पर क्या कार्रवाई होगी इसकी स्पष्ट व्यवस्था नहीं होने के कारण दोषी अधिकारियों कर्मचारियों को दंडित होते हुए नहीं देखा गया है। राजस्थान सरकार के पास जवाबदेही कानून लंबित है जिस में विलंब करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उन पर कार्रवाई करने का प्रावधान है। सरकार अभी तक इस विधेयक को विधानसभा में नहीं लाई है और एवं इसी कारण यह कानून नहीं बन पाया है।

सबसे बड़ी भूमिका तो कानून बनाने वाले अधिकारियों की है जो इस प्रकार की भाषा का उपयोग करते हैं जिसका 10 लोग 10 प्रकार का मतलब निकाल सकते हैं। क्या हम अपने नियमों की भाषा ऐसी नहीं बना सकते जिसे कोई भी व्यक्ति पढ़े, उसका एक ही मतलब निकले? ऐसा होने पर, किसी के लिए उनका दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार में लिप्त होने की सम्भावना बहुत कम हो जाएगी। अधिकांश जनसंख्या से अगर हम चाहते हैं कि वह कानून कायदों का पालन करे, तो उसके लिए आवश्यक है कि नियमों को तोड़ने वाले पर पूरी सख्ती से समान रूप से कार्रवाई की जाए। ऐसा करते समय किसी प्रकार का भेदभाव, प्रक्रियाओं की जटिलता का ही कारण परिणाम है।

उदयपुर का एक उदाहरण देना उपयुक्त होगा। उदयपुर झीलों का शहर है और पूरा शहर झीलों के आसपास बसा हुआ है। ऐसी स्थिति में कोई ऐसा कानून अचानक आ जाए जिसके अनुसार झीलों से आधा किलोमीटर की दूरी तक कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाए तो फिर यह भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाला ही होगा। ऐसा कोई प्रतिबंध लगना भी था, तो जब कोई निर्माण नहीं था, उस समय लगाना चाहिए था। जब भूखंड, स्वयं नगर विकास न्यास या नगर निगम ने आवंटित किए हैं और 90 प्रतिशत से अधिक मकान बन चुके हैं तो उन पर रोक लगाना साधारण नागरिक को प्रताड़ित करना ही माना जाएगा। रोचक तथ्य यह है कि बड़े-बड़े पांच सितारा होटलों को तो झील के ठीक किनारे बहुत बड़ा निर्माण कार्य करने की अनुमति स्वयं सरकार द्वारा दी गई है। इस प्रकार प्रभावशाली एवं साधारण व्यक्तियों के बीच में भेदभाव रखा जाएगा तो इससे भ्रष्टाचार बढ़ेगा और साथ ही लोगों में असंतोष भी।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि यदि कानून, नियम और प्रक्रियाएं व्यवहारिक, सरल, स्पष्ट हों, सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार हो तथा नागरिक भी संयम बरतते हुए अन्य से पहले अपना काम करवाने का लोभ नहीं रखें तो भ्रष्टाचार पनपने की सम्भावना स्वतः कम हो जाएगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नंदीश्वर द्वीप के अकृत्रिम जिन मंदिरों की पूजा का पर्व है अष्टानिका पर्व

सिद्धचक्र विधान का आयोजन 26 जून से 3 जुलाई तक होगा

भागचंद जैन मित्रपुरा

जन धम का अष्टाहका पव अथात् 8 दिन तक मनाए जाने वाला पर्व। यह वर्ष में तीन बार कार्तिक, फाल्गुन एवं आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा तक आठ दिन के लिए मनाया जाता है।

क्यों मनाया जाता है ?

सौधर्म इंद्र अपने इंद्र परिवार के साथ नंदीश्वर द्वीप जो आठवां द्वीप है, जिसमे अनादि, अनंतकालीन 52 अकृत्रिम, जो कि किसी के द्वारा बनाए नहीं गए है एवं ना ही कभी मिटेंगे, जिन चैत्यालय है, में पूजन करके हर्षित होते है।

इसी क्रम का अनुसरण करने की भावनानुरुप हम स्वयं में इंद्र की स्थापना करते हुए स्वयं को इंद्र मानकर, देवलोक जैसी शक्ति का आभास कर जिन मंदिरों में पूजा करते है।

किसकी आराधना की जाती है?

इस दौरान सिद्धों की आराधना करते हुए आठ दिनों का सिद्ध चक्र विधान का आयोजन करते है। सिद्ध चक्र विधान मंडल में प्रथम दिन 8, दूसरे दिन 16, तीसरे दिन 32, चौथे दिन 64, पंचम दिवस 128, छठे दिन 256, सातवे दिन 512 एवं आठवें दिन 1024 अष्ट द्रव्य के अर्ध समर्पित किए जाते है। इस तरह कुल पर्व के इन दिनों में नंदीश्वर द्वीप की भी पूजा कर सकते है। अष्टान्हिका पर्व की शुरुआत मैना सुंदरी द्वारा अपने पति श्रीपाल के कुष्ठ रोग निवारण के लिए किए गए प्रयासों से हुई थी। पति को निरोग करने के लिए उन्होंने आठ दिनों तक सिद्धचक्र विधान मंडल की साधना की थी एवं तीर्थंकरों के अभिषेक जल के छीटें देकर रोग निवारण किया था। इसका जैन ग्रथों में भी उल्लेख मिलता है।

दशलक्षण धर्म की तरह ही अष्टांहिका पर्व का भी बहुत महत्व है, अत: जयपुर में भी विभिन्न कॉलोनियों के जिन मंदिरों में भी इस वर्ष सिद्धचक्र विधान का आयोजन 26/06/23 से 03/07/23 तक किया जा रहा है।

26/06/23 को सभी जैन मंदिरों में नेमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया जाएगा। इसी दौरान जैन साधु, साध्वियों द्वारा पांच माह के वर्षाकाल की स्थापना भी होने जा रही है।

सिद्धचक्र विधान मण्डल की महिमा

चम्पापुर के राजा अरिदमन और रानी कुन्दप्रभा के तेजस्वी पुत्र रत्न हुआ। उस बालक का नाम श्रीपाल रखा गया। कालांतर में श्रीपाल की प्रतिभा को देखकर राज्य संचालन का दायित्व सौंप दिया गया। राजकार्य में दत्तिचत, कामदेव के समान श्रीपाल को एवं अन्य 700 वीरों को अचानक एक साथ महाभयानक कुष्ठ रोग हो गया, जिससे इन लोगों का शरीर गलने लगा एवं खून बहने लगा। इन सभी की दशा देखकर प्रजाजन अत्यन्त क्षुब्ध एवं दु:खी रहते थे। जब रोग की दुर्गन्ध के कारण वातावरण बिगड़ने लगा, तब चाचा वीरदमन के कहने पर श्रीपाल 700 वीरों के साथ नगर से बहुत दूर उद्यान में जाकर निवास करने लगे।

उधर उज्जयनी नगरी के राजा पुहुपाल एवं रानी पद्मरानी के गर्भ से सुरसुन्दरी एवं मैनासुन्दरी नाम की दो पुत्रियों ने जन्म लिया। उनमें से सुरसुन्दरी शैव गुरु से एवं मैनासुन्दरी ने आर्यिका से धार्मिक अध्ययन किया था। पिता के पूछने पर सुरसुन्दरी ने अपनी स्वेच्छानुसार हरिवाहन से विवाह स्वीकार कर लिया, परन्तु मैनासुन्दरी ने कहा है कि कुलीन एवं शीलवती कन्यायें अपने मुख से किसी अभीष्ट वर की याचना कदापि नहीं करती है। मैनासुन्दरी की विद्वतापूर्ण वार्ता को सुनकर राजा पुहुपाल तिलमिला गये और उन्होंने क्रोध में आकर कोढ़ी राजा श्रीपाल से विवाह कर दिया। राजा श्रीपाल के कुष्ठ रोग को दूर करने के लिये मैनासुन्दरी ने गुरु के आशीर्वाद एवं विधि के अनुसार अष्टाहिनका पर्व में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया एवं अभिषेक गंधोदक का सभी रोगियों के ऊपर छिडकाव किया जिसके प्रभाव से श्रीपाल के साथ 700 वीरों का भी कुष्ठरोग ठीक हो गया था।

कुछ समय बाद श्री पाल मैनासुन्दरी के साथ चम्पापुरी वापस आ गये। एक दिन श्रीपाल अपने महल के छत पर बैठे हुये थे। आकाश में बिजली चमकी, जिसे देखकर उन्हें वैराग्य हो गया। वे अपने पुत्र धनपाल को राज्य सौंपकर वन की ओर चले गये। उनके साथ 8000 रानियाँ तथा माता कुन्दप्रभा भी वन को प्रस्थान कर गई।

श्रीपाल ने मुनीश्वर के पास जाकर जिनदीक्षा धारण कर ली। उनके साथ 700 वीरों ने भी दीक्षा ले ली, माता कुन्दप्रभा व अन्य रानियों ने भी आर्यिका के व्रत ग्रहण किये। श्रीपाल कठोर तपस्या करते हुए अल्पसमय में ही घातिया कर्मों को नष्ट कर केवलज्ञान प्राप्त किया और फिर शेष कर्मों को नष्टकर मोक्षधाम को प्राप्त हुये एवं मैना सुंदरी ने भी अगले भव में शिवधाम को अपनाया।

संकलन–भागचंद जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

80 वर्षीय वृद्धा ने प्रशासन से बंद रास्ता खुलवाने की मांग की

पाटन, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के नजदीक ग्राम पंचायत माकड़ी के राजस्व ग्राम बणियाला नगर की ढाणी दीना काला में रजवन देवी उम्र 80 वर्ष स्वर्गीय गणेश राम यादव द्वारा अनुचित रुप से बंद किए गए रास्ते को खुलवाने के लिए तहसीलदार नीमकाथाना, उपखंड अधिकारी नीमकाथाना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर नीमकाथाना एवं जिला कलेक्टर सीकर के कार्यालय में चक्कर लगाकर थक चुकी है परंतु कटानसुदा रास्ता जिस को अनुचित रूप से बंद कर दिया गया है प्रशासन उस रास्ते को खुलवा भी नहीं सका है।

जानकारी के अनुसार एक 80 वर्षीय वृद्ध महिला प्रशासन के आगे चक्कर लगा रही है और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है। 40 वर्ष पहले स्वर्गीय गणेश राम यादव ने मकान बनाए थे। उस वक्त से खसरा नंबर 264/ 62 में प्रचलित रास्ता था तथा उसी में से आना जाना होता था, बाद में इस रास्ते को कटवा कर रिकॉर्ड में दर्ज करवा दिया गया। वृद्ध रजवन देवी का कहना है कि वर्तमान में इस रास्ते को बंद कर दिया गया है जिस कारण मेरे परिवार का आना-जाना भी बंद हो गया है। रजवंत देवी ने यह भी बताया कि पूर्व में भी धनसी राम सैनी एवं उसकी माताजी द्वारा हमें परेशान करने के लिए दो बार रास्ता बंद किया था जिसको प्रशासन द्वारा खुलवाया गया था। 10 जून से फिर इस रास्ते को अनुचित रूप से बंद कर दिया गया जिस कारण हमारा पूरा परिवार घर में ही कैद हो गया। वर्तमान में फसल जुताई का काम चल रहा है मजदूरी वास्ते ट्रैक्टर को भी बाहर ले जाना दूबर हो गया है। उम्र के हिसाब से मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता जिसका फायदा ये लोग उठा रहे हैं और पक्की दीवार लगा लगा कर इस रास्ते को बंद करने में लगे हैं। इस बारे में प्रशासन के चक्कर लगा लगा कर मैं थक चुकी हूं परंतु प्रशासन द्वारा रास्ता चालू नहीं करवाया गया। मात्र फोरी कागजी कार्यवाही कर हमारे आंसू पोछने का काम किया जा रहा है।

पीड़ित वृद्ध महिला।

■ **रास्ते को बंद के कारण परिवार का आना-जाना भी बंद हुआ**

पुलिस का हाल तो यह है कि हम लोगों को ही डरा धमका कर भेज देते हैं तथा यह और कहते हैं कि आप ज्यादा चक्कर मत लगाओ अन्यथा झूठे मुकदमे लगा कर अंदर कर देंगे। रजवन देवी ने यह भी बताया कि अगर हमें यहां न्याय नहीं मिलता है तो हम न्याय के लिए मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे और वहां पर भी न्याय नहीं मिला तो अदालत का दरवाजा खट खटाएंगे।

दलित की जमीन पर दबंगों का कब्जा, जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं

मसूदा, (निसं)। गरीब अनुसूचित जनजाति भील की जमीन पर कब्जा करने व मारने की धमकियां मिल रही है। इस संदर्भ में राजस्थान भील समाज के प्रदेश प्रतिनिधि सुरेश चंद भील के तत्वाधान में सोमवार को मसूदा उपखंड अधिकारी को एक ज्ञापन दिया जिसमें बताया कि मसूदा के डांगेश्वर कॉलोनी में सजनी देवी पत्नी रूप लाल भील के नाम से मसूदा द्वितीय में खसरा संख्या 5365/4224 कि 10 बीघा भूमि खातेदारी में दर्द चली आ रही है। वर्णित भूमियों पर शांतिपूर्ण तरीके से मालिकाना हक अधिकार एवं कब्ज आकाश चला रहा है।

राजस्थान भील समाज के प्रदेश प्रतिनिधि के साथ लोगों ने मसूदा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया।

जिस पर किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं है रहा है किंतु अब हमारी उपरोक्त भूमि में वीरेंद्र, मुकेश, भंवर लाल, मिश्रीलाल, कालू, सीताराम सहित 10-15 भूमाफियाओं की दबंगई देखने को मिल रही है। जहां खातेदारी जमीन पर जेसीबी चलाई गई। पीड़ित ने बताया कि इन लोगों द्वारा राजनीतिक दबदबा होने की वजह से हम अनुसूचित जनजाति की जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। पीड़ित ने बताया कि समाज के कुछ लोगों ने रोकने का किया प्रयास लेकिन भूमाफियाओं ने उनके साथ मारपीट करना शुरू कर और जातिसूचक शब्द से अपमानित करने लगे। पीड़ित परिवार ने अतिकर्मियों के खिलाफ मसूदा थाने में मामला दर्ज करवाया लेकिन राजनीतिक दबदबा होने से कोई कार्रवाई नही हुई। जिसके चलते उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने एवं उक्त खातेदारी जमीन को अतिकर्मियों से मुक्त करने की गुहार लगाते हुए कहा कि मेरी भूमियों से बेदखल कर जबरन एवं नाजायत व दादागिरी से कब्जा कर लिया है तथा जेसीबी चलाकर डोल एवं ट्रैक्टर द्वारा हल तक चला दिए और कब्जा कर लिया है।

जबकि इन लोगों का मेरी भूमि से कोई लेना-देना वह संबंध सरोकार नहीं है। इसके बावजूद मुझे गरीब अनुसूचित जनजाति के परिवार के साथ यह लोग अत्याचार कर हमारी एकमात्र जीविका के स्रोत को हमसे छीन कर हमें बेघर करने पर आवाज हो रखे हैं तथा इन लोगों को ऐसा नहीं करने के कहने पर उल्टा यह लोग मेरे व मेरे परिवार के ऊपर आग बबूला होकर हमको गालियां जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया।

रेलवे समिति सदस्य ने आवास निर्माण कार्य का जायजा लिया

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में रेलवे विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण में अनियमितता और घटिया निर्माण सामग्री की शिकायतों के बाद आज उत्तर पश्चिम रेलवे की जेडआरयूसीसी समिति के सदस्य शंकरलाल परसावत मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण साइट पर मौजूद कंपनी के अधिकारियों और कार्मिकों से योजना की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों के संबंध में भी चर्चा की। परसावत में कार्मिकों को हिदायत दी कि निर्माण कार्यों में अनियमितता और घटिया सामठी का उपयोग से बचा जाए, ताकि गुणवत्तापूर्ण कार्य हो सके। उन्होंने कहा कि इस साइट से उन्हें जो जानकारी मिली है, उससे वह रेलवे के उच्चाधिकारियों को अवगत करवाएंगे तथा पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य की मांग करेंगे।

गौरतलब है कि डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण परियोजना के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण कार्य चल रहा है। विद्युतीकरण कार्य का टेंडर टाटा इरकॉन को मिला है।

राशिफल मंगलवार 27 जून, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, हस्त नक्षत्र दिन 2:43 तक, वारियान योग प्रातः 6:23 तक, बालव करण दिन 2:35 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:28 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-मिथुन, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 2:43 तक है। आज भडल्या नवमी है। गुप्त नवरात्रा समाप्त होंगे और श्री हरि जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:04 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 2:12 तक, शुभ 3:55 से 5:38 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में योजना बनेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। धन खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

तुला
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। कानूनी मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे और अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

फिरौती के लिए अपहरण का मामला झूठा निकला

■ परिचित महिला से उधार लिए रूपये लौटाने के लिए युवक ने रची थी अपहरण की झूठी कहानी, युवक को गिरफ्तार किया

हनुमानगढ़,(कासं)। खुइयां पुलिस थाने में दर्ज फिरौती के लिए अपहरण करने का मामला जांच में झूठा पाया गया। युवक ने अपहरण की झूठी कहानी रचकर घर पर फोन कर रूपयों की मांग की थी ताकि वह अपनी परिचित महिला से लिए गए रूपये उसे लौटा सके।

प्रदीप कुमार पुत्र अर्जुनराम निवासी सिरंगसर ने खुइयां पुलिस थाना में रिपोर्ट दी कि उसका भाई भवानी शंकर भागवत कथा करने के लिए 19 जून को घर से वृंदावन (उत्तप्रदेश) गया था। 22 जून को उसके भाई भवानी शंकर को वापस गांव आना था। 22 जून को शाम के समय उसके भाई ने कॉल कर कहा कि उसका अपहरण कर लिया है। अपहरणकर्ता उससे 1 लाख 50 हजार रूपये मांग रहे हैं। रूपये नहीं देने पर वे उसे मार देंगे। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर फिरौती मांगने के आरोप में मामला दर्ज किया। मामले का जांच खुइयां पुलिस थाना प्रभारी एसआई अमरसिंह की ओर से शुरू की गई। थाना स्तर पर एएसआई महावीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर टीम को नई दिल्ली, बुलंदशहर रवाना किया गया। टीम ने बुलंदशहर पहुंचकर भवानी शंकर (20) पुत्र अर्जुनराम निवासी सिरंगसर को डिटेन कर लिया।

जांच में भवानी शंकर के वृंदावन की किसी महिला से संबंध की बात सामने आई। इस महिला ने भवानी शंकर को करीब 70 हजार रूपये दिए थे। इसके अलावा महिला का मंगलसूत्र, कान के कुंडल सहित सोने के जेवरात लेकर भी भवानीशंकर ने बेच दिए। इससे प्राप्त सारी राशि भवानाशंकर ने खर्च कर दी। महिला के परिजनों को पता चलने पर उन्होंने अपनी सम्पूर्ण राशि वापस मांगी तो भवानीशंकर ने अपहरण की झूठी कहानी रचकर घर पर फोन कर रूपये की मांग की और कहा कि यदि रूपये नहीं दिए तो ये लोग उसे मार देंगे।

इसके पीछे भवानी शंकर का मकसद यह था कि वह उस महिला से लिए गए रूपये और गहने उनके परिजनों को वापस दे सके। जांच से अपहरण कर फिरौती मांगने का मामला झूठा पाया गया। खुइयां पुलिस ने इस मामले में भवानीशंकर को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार किया है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एएसआई महावीर सिंह, हैड कांस्टेबल रामलाल, कांस्टेबल सोहनलाल और भागीरथ शामिल थे।

25 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। संगरिया पुलिस ने हनुमानगढ़ टाउन थाना क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति को 25 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से बाइक भी जब्त की है। फिलहाल पुलिस आरोपी से हेरोइन की खरीद-फरोख्त और तस्करी के नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार संगरिया पुलिस थाना के कार्यवाहक प्रभारी एसआई रणवीर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम रविवार देर शाम को गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस टीम ने हनुमानगढ़ रोड पर रोही रतनपुरा में एक बाइक सवार व्यक्ति को रुकवाया और तलाशी ली तो उसके पास 25 ग्राम हेरोइन मिली। पुलिस ने आरोपी रविन्द्र सिंह पुत्र यदुवीर सिंह राजपूत निवासी चक 11 एचएमएच, भद्रकाली मंदिर के पास ढाणी थाना हनुमानगढ़ टाउन को गिरफ्तार कर लिया।

अपहरण के मामले में आठ आरोपी गिरफ्तार

■ पीड़ित ने अपनी भतीजी के भगाने का आरोप लगाया तो अपहरण किया

अनूपगढ़, (कासं)। पुलिस ने अपहरण के मामले में दर्ज एक मामले में नामजद आरोपियों सहित 8 जनों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों पर एससी/ एसटी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज होने के कारण अनुसंधान पुलिस उपाधीक्षक रामेश्वर लाल द्वारा किया जा रहा था। अनूपगढ़ पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार गांव 1 केएएम निवासी दयालचंद पुत्र सुंदरपाल ने 24 जून रात मामला दर्ज करवाया था कि रामस्वरूप निवासी केएएम (खाल) की बेटी से उसकी बातचीत होती थी। 23 जून को रामस्वरूप उसे गांव बाण्डा कॉलोनी के पास मिला और अपनी भतीजी को भगाने का आरोप लगाते हुए जातिसूचक गालियां और उसे धमकाया।

24 जून को वह रामसिंह के साथ उसकी ढाणी से चक 1 केएएम खाल मोटरसाइकिल पर जा रहे तो लगभग 8 बजे मोगा के पास पहुंचे तो दो कार में सवार आठ लोगों ने मोटरसाइकिल को रूकवाकर उसको जातिसूचक गालियां देते हुए अगवा कर लिया। आरोपियों ने उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी और एक आदमी ने उसे दांतों से काट खाया। पीड़ित ने बताया कि गाड़ी में बैठे सभी आरोपी फोन पर रामस्वरूप की भतीजी का पता नहीं बताने पर उसे जान से मारने की बात कर रहे थे। जब उसे लेकर विजयनगर पहुंचे तो नाकाबंदी देखकर आरोपियों ने उसकी आंखे खोल दी। उसने शोर मचाया और पुलिस को सारी बात बताई।

कल्ला आज बीकानेर आयेंगे

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला सोमवार रात्रि जयपुर से प्रस्थान कर मंगलवार प्रातः 4:10 बजे बीकानेर पहुंचेंगे।

शिक्षा मंत्री 27 और 28 जून को स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के पश्चात रात्रि 11:20 बजे रेल मार्ग से जयपुर प्रस्थान करेंगे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक-LU2012/SGN/2023-24/100706 **लोक सूचना** दिनांक- 26/6/23

श्री दीपक कुमार जैन पुत्र श्री मनमोहन जैन निवासी 49 सी ब्लॉक, एमजीएस रोड, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का **व्यावसायिक प्रयोजनार्थ** के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् -

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1.	चक 6 ई छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री दीपक कुमार जैन पुत्र श्री मनमोहन जैन	चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 34 के किला नं. 16 में 0.190 हैक्टे. किला नं. 17 व 18 प्रत्येक 0.253 हैक्टे. किला नं. 19/1 में 0.251 हैक्टे. यथाकुल 0.947 हैक्टेयर	कुल 0.947 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 26/6/23 को जारी की गयी।- **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

अपहरण के मामले में आठ आरोपी गिरफ्तार

36-सीकर की आर.के. गैंग के बदमाश श्रीगंगानगर से गिरफ्तार

-लूट की वारदात करने से पहले पकड़ा, पांचों पर हत्या, लूट, डकैती के कई मामले दर्ज

श्रीगंगानगर, यहां लालगढ़ जाटान थाना क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने आए सीकर की आरके गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। तीन बदमाश सीकर,झुंझुनूं और दो श्रीगंगानगर के रहने वाले हैं। गैंग का मुखिया रवींद्र कटेवा झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर और कुख्यात बदमाश है। वह कई दिन से फरार था। उस पर हत्या, लूट, हत्या के प्रयास, डकैती, मारपीट, आर्म्स एक्ट, डकैती की योजना बनाने सहित कई मामले दर्ज है।

लालगढ़ जाटान एसएचओ परमेश्वर सुथार को इलाके में कुछ लोगों के डकैती की योजना बनाने की जानकारी मिली। इस पर कार्रवाई कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर रवींद्र कटेवा (24) पुत्र राजेंद्र कटेवा शामिल है। वह खिरोड़ ग्राम पंचायत के केमरी की ढाणी का रहने वाला है।

उसके साथ सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के रोटू बड़ी के रहने वाले सुनील कुमार (27) पुत्र शीशराम ढाका को भी गिरफ्तार किया गया है। सुनील सीकर के एनएसयूआई अध्यक्ष की हत्या के मामले में लिप्त रहा है। उस पर चोरी, हत्या और मारपीट के मामले दर्ज है और वह सीकर के उद्योग नगर और दादिया थाना क्षेत्र में फिरौती और मारपीट के मामलों में फरार चल रहा है। श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र के गुरुनानक बस्ती के रहने वाले नीरज (20) पुत्र राजू उर्फ राजकुमार, श्रीगंगानगर के अशोकनगर बी जनता कॉलोनी के रहने वाले यश गुप्ता (19) पुत्र लक्ष्मीकांत गुप्ता और सीकर के बलारा का रहने वाला अनिल भार्गव (21) पुत्र संजय को भी गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक पिस्टल, तीन कारतूस, एक कापा, एक तलवार, चार डंडे, मिर्ची पाउडर और जीप मिले हैं।

बाइक सवार को टैंकर ने कुचला

बीकानेर, (कासं)। लूणकरनसर के हरीयासर बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में एक और घायल की बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में मौत हो गई। इसी हादसे में एक युवक की कल ही मौत हो गई थी। मृतक बडेरण निवासी खादीम खां (17) का शव अब मोर्चरी में रखा गया है, जहां पोस्टमार्टम होगा।

लूणकरनसर के हरीयासर में बाइक पर जा रहे दो दोस्तों की टक्कर सामने से आ रहे तेल से भरे टैंकर से हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार तेल के टैंकर ने दोनों को कुचल दिया। जिसमें एक युवक मृतक बुधराम गंवारिया की मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि दूसरे युवक खादिम खान को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रैफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी सोमवार तड़के मौत हो गई। घायल को टाइगर फोर्स के सदस्यों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया था। जानकारी के अनुसार दम तोड़ने वाला बुधराम गंवारिया अपनी चार बहनों में इकलौता भाई था।

सार-समाचार

जेल प्रहरियों का मैस बहिष्कार जारी

अनूपगढ़,(कासं)। वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर उप कारागृह के प्रहरियों का मैस का बहिष्कार पांचवें दिन जारी रहा। लगातार पांच दिनों से मैस का बहिष्कार किए जाने का कारण देर रात तक सात प्रहरियों की तबीयत बिगड़ गई। चिकित्सा कर्मियों के परामर्श के बाद उन्हें उपचार के लिए अनूपगढ़ के राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गौरतलब है कि उप कारागृह के 3 मुख्य प्रहरी,11 प्रहरी तथा एक अन्य ने वेतन विसंतियों को दूर करने की मांग पर राज्य स्तरीय आव्हान पर 21 जून से मैस का बहिष्कार किया हुआ है। देर रात प्रहरी संजीव कुमार, हुकमाराम, बिट्टू कुमार, मुकेश कुमार, मोटाराम, चिमन लाल, विवेक कुमार की तबीयत खराब हो गई। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती करवाया गया। गर्मी के मौसम में मैस के बहिष्कार के चलते 8 की तबीयत बिगड़ी। ऐसे में यदि सभी जेल प्रहरी की तबीयत बिगड़ जाती है तो उप कारागृह की सुरक्षा व्यवस्था भी बिगड़ सकती है। इससे पूर्व भी राजस्थान में वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर जेल प्रहरी आंदोलन कर चुके थे। 18 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद जेल प्रहरियों और सरकार के मध्य समझौता हुआ था कि उनकी मांगों को मान लिया जायेगा। सरकार की ओर से जेल प्रहरियों को आश्वासन दिया था कि 1 सप्ताह में उनकी वेतन विसंगतियों को दूर कर दिया जायेगा। मगर 5 महीने के बाद भी सरकार की ओर से जेल प्रहरियों की मांगों की ओर ध्यान नहीं दिया गया।। जेल प्रहरियों ने बताया कि जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मान लेती उनका आंदोलन जारी रहेगा।

ट्रेलर-ट्रैक्टर भिड़े, चालक की मौत

नोखा, (कासं)। ट्रेलर और ट्रैक्टर की भिड़ंत में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर में सवार एक युवक घायल है। हादसा नोखा-बीकानेर हाईवे पर पारवा गांव के पास हुआ। सूचना पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। मिली जानकारी के अनुसार सुरपुरा निवासी बाबूलाल (50) पुत्र छगनलाल कुम्हार, पारवा निवासी हंसराज बिश्नोई पुत्र हजारीराम बिश्नोई के साथ पारवा में ट्रैक्टर से खेती करने गया। इसी दौरान वापस लौटते समय नोखा-बीकानेर हाईवे पर टोल नाके के पास एक ट्रेलर और ट्रैक्टर में भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि ट्रैक्टर चालक बाबूलाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हंसराज गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए बीकानेर रैफर कर दिया। हादसा होते ही आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। जिन्होंने पुलिस और एम्बुलेंस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही नोखा थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़, एएसआई शंभू सिंह मय पुलिस टीम के मौके पर पहुंचे। बाबूलाल के शव को नोखा की बागड़ी अस्पताल में रखवाया है। जहां परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

जमीन विवाद में पति-पत्नी पर हमला

नोखा, (कासं)। जमीनी विवाद में भाई ने अपनी बहन और जीजा के साथ मारपीट कर दी। लहुलूहान हालात में खेत में ही छोड़कर फरार हो हुए। इस संबंध में पीड़िता ने अपने भाई और उसकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पीड़िता राधा देवी ने रिपोर्ट में बताया कि आर.के. पुरम के पीछे हमारा खेत है। जहां पति के साथ गई हुई थी। इस दौरान उसका भाई चक विजयसिंहपुरा निवासी मौके पर लाठी लेकर आया। साथ उसकी पत्नी भी थी, जिसके पास कुल्हाड़ी थी। आरोपियों ने खेत से कब्जा छोड़ने की बात की कही। इसका विरोध करने पर भाई और उसकी पत्नी से मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद लहुलूहान हालत में खेत में ही छोड़कर फरार हो गए। नोखा थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

केश कला बोर्ड अध्यक्ष दौरे पर रहे

बीकानेर, (कासं)। केश कला बोर्ड अध्यक्ष महेन्द्र गहलोत ने सोमवार को श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया। गहलोत ने आमजन को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने श्रीडूंगरगढ़ के गांव राजेडू, बापेऊ,कल्याणसर नया, जाखासर, केऊ बाडेला, धनेरु, नोसरिया, धर्मास, पुंदलसर, जैसलसर आदि गहलोत ने बीकानेर में बनने वाले सैन समाज के छात्रावास के भूमि पूजन की तैयारियों को लेकर स्थानीय लोगों से मुलाकात की।

31 होनहार सम्मानित

नोखा,(कासं)। पीपा क्षत्रिय समाज नोखा का दूसरा प्रतिभावान समारोह सोमवार को आयोजित किया जिसमें समाज की 31 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ नरेन्द्र सिंह सोलंकी बीकानेर ने की। मुख्य अतिथि धर्मीचंद परिहार बिलाड़ा थे। विशिष्ठ अतिथि हड़मान चौहान मेड़ता सिटी, प्रकाशचंद सोलंकी, धर्मेन्द्र राखेचा शिवगंज सिरोही, ओम कच्छावा बीकानेर, डॉ. विजय लक्ष्मी गोयल जोधपुर, शांता देवी दैया, कमल किशोर दैया, बद्रीनारायण चौहान, ज्ञानचंद तंवर, भैराराम गोयल थे।

समारोह में विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 5 वीं, 8 वीं बोर्ड में ए ग्रेड प्राप्त करने वाले व सरकारी सेवा में चयनित 31 प्रतिभाओं का सम्मान प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व मैडल देकर किया गया। समारोह में नोखा, कक्कू, सारूण्डा, सिंजगुरु, बेरासर, देशनोक, नापासर, नागौर, गंगाशहर, बीकानेर से हजारों की संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे।

14 मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित

बीकानेर, (कासं)। जांच के दौरान अनियमितताएं पाये जाने पर 14 मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञा पत्र निलम्बित किये गए हैं। अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक देवेन्द्र कुमार केदावत ने बताया कि नोखा हॉस्पिटल के सामने स्थित ब्रह्माणी मेडिकोज, ऊपनी स्थित बालाजी मेडिकल स्टोर, नोखा जेल रोड स्थित बाबा रामदेव मेडिकोज, सादुलगंज स्थित गौरव मेडिकल एंड जनरल स्टोर, नोखा रोड़ा रोड स्थित चिरंजीवी मेडिकल स्टोर, करमीसर चौराहा स्थित चारवी मेडिकोज, श्रीडूंगरगढ़ घूमचक्कर के पास स्थित बालाजी मेडिकोज एवं नोखा जैन चौक स्थित ब्रह्माणी मेडिसिन स्टोर का अनुज्ञापत्र 28 जून से 2 जुलाई तक निलंबित किया। अनुज्ञापन प्राधिकारी ने बताया कि लूणकरनसर स्थित भारत मेडिकल स्टोर, छतरगढ़ स्थित भावना मेडिकल एंड जनरल स्टोर, सेरूणा स्थित जी एच मेडिकल एंड जनरल स्टोर का अनुज्ञापत्र 28 जून से 4 जुलाई तक, श्रीडूंगरगढ़ स्थित घूमचक्कर मेडिकल स्टोर, नापासर स्थित गोपाल मेडिकल एंड जनरल स्टोर तथा सीएससी पूगल के सामने स्थित ब्रह्माणी मेडिकल स्टोर का अनुज्ञा पत्र 28 जून से 7 जुलाई तक निलंबित किए गए हैं।

सार्वजनिक नोटिस

दिनांक 26-06-2023

यह बड़े पैमाने पर जनता को जानकारी देने के लिए है कि हमारे मुवक्किल और उसकी सहयोगी तथा नियंत्रित कम्पनी सरदाऱपुरा और केलां गांवों (पटवार हल्का केलां) के निम्नलिखित आराज़ी /खसरा नंबरों में लगभग 659.3818 एकड़ के बराबर 1629.332 हेक्टेयर भूमि पट्टे पर लेनें का इरादा रखती हैं। यह जमीन राजस्थान में निम्नलिखित आराज़ी / खसरा नंबर में स्तित है::

क्र.सं.	वर्तमान मालिकान	आराज़ी	गाँव	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1.	इकबाल अहमद पुत्र सोणा हिस्सा -1/3, मंजूरखां पुत्र सोणा हिस्सा -1/3, शरीफखां पुत्र सोणा हिस्सा -1/3	438/2	सरदाऱपुरा	6.3225
2.	खालक पुत्र बिरामखॉं	438	सरदाऱपुरा	6.3225
3.	सुभाष पुत्र मंगतुराम	427/939	सरदाऱपुरा	6.3225
4.	मेऊखॉं पुत्र कायमखॉं हिस्सा-1/8, नाबालिग यारू खां पुत्र कायमखां संरक्षक माता गामा पत्नी कायमखां हिस्सा-1/8, रामेश्वर पुत्र चतराराम हिस्सा- 1/2, शाकिर अली पुत्र कायमखॉं हिस्सा-1/8, सुल्तानखॉं पुत्र कायमखॉं हिस्सा-1/8	427/936	सरदाऱपुरा	8.8136
5.	नत्थूखां पुत्र आलमखॉं हिस्सा-1/5, नाजूखां पुत्र आलमखॉं हिस्सा-1/5, फजल खां पुत्र आलमखॉं हिस्सा-1/5, फलक शेर पुत्र आलमखॉं हिस्सा-1/5, मिठो पत्नि स्व. आलमखॉं हिस्सा - 1/5	428 429/1 430/1	सरदाऱपुरा	2.4152 0.6955 3.2245
6.	लाला पुत्र खण्डू	429	सरदाऱपुरा	6.3225
7.	सत्तार पुत्र करीम	430 431	सरदाऱपुरा	1.53 4.6154
8.	गामा पत्नी कायमखॉं	427	सरदाऱपुरा	6.3225
9.	कायमखॉं पुत्र साबूखॉं	427/935	सरदाऱपुरा	6.3225
10.	आसूसिंह पुत्र करणीदानसिंह हिस्सा - 1/4, डूंगरसिंह पुत्र करणीदानसिंह हिस्सा - 1/4, भंवरसिंह पुत्र करणीदानसिंह हिस्सा - 1/4, लालासिंह पुत्र करणीदानसिंह हिस्सा - 1/4	426	सरदाऱपुरा	10.4954
11.	आसू सिंह पुत्र स्व. करणीदान सिंह (1/4 शेयर), डूंगर सिंह पुत्र स्व. करणीदान सिंह (1/4 शेयर), भंवर सिंह पुत्र स्व. करणीदान सिंह (1/4 शेयर), लाल सिंह पुत्र स्व. करणीदान सिंह (1/4 शेयर)	425	सरदाऱपुरा	40.4954
12.	फातमा पत्नि सुल्तानखॉं	424 425 427/938	सरदाऱपुरा	8.2193 1.8841 1.1633
13.	सली पत्नि अलीखां	427/937 427/940	सरदाऱपुरा	3.1613 3.1613
14.	भगवानाराम पुत्र देदाराम हिस्सा -1/4, मोडाराम पुत्र देदाराम हिस्सा -1/4, लिछमा पत्नि दुला राम हिस्सा - 1/4, श्रीराम पुत्र देदाराम हिस्सा -1/4	434	सरदाऱपुरा	17.2984
15.	दानाराम पुत्र बद्री हिस्सा -1/2, धापूदेवी पत्नी. बद्री हिस्सा -1/2	432	सरदाऱपुरा	14.7314
16.	खीयाराम पुत्र चैना राम	374	सरदाऱपुरा	24.5313
17.	रुघाराम पुत्र चतराराम	373/3	सरदाऱपुरा	7.5870
18.	अनवर पुत्र पिरणखां हिस्सा-1/14, अमोल पत्नी संजयकुमार हिस्सा-1/4, करमो पत्नि स्व. अल्लादिवायाउर्फदिवायेखॉं हिस्सा-1/4, तोली देवी पत्नि सोहनला हिस्सा – 1/4, रमजान पुत्र पिरणखां हिस्सा – 1/14, लतीफ शाह पुत्र जमाल शाह हिस्सा – 3/28	373/2	सरदाऱपुरा	17.703
19.	अनवर पुत्र पिरणखां हिस्सा-1/4, करमो पत्नि स्व. अलादिवाया हिस्सा - 1/2, रामजन पुत्र पिरणखां हिस्सा-1/4	373	सरदाऱपुरा	7.5870
20.	ईन्द्राज पुत्र भूरा	375/446 377/815	सरदाऱपुरा	8.3457 4.2993
21.	भींया राम पुत्र दुलाराम हिस्सा - 1/3 मघा राम पुत्र दुलाराम हिस्सा - 1/3 मूलाराम पुत्र भैराराम हिस्सा - 1/6 हडमानराम पुत्र भैराराम हिस्सा - 1/6	377	सरदाऱपुरा	13.1508
22.	अन्नु पुत्री चूननाथ हिस्सा - 1/12, कुम्भनाथ पुत्र भगवान हिस्सा - 1/2, गंगा पुत्री चूननाथ हिस्सा - 1/12, बिशननाथ पुत्र चूननाथ हिस्सा - 1/12, भंवरी देवी पत्नि स्व. चूननाथ हिस्सा - 1/12, लिछमा देवी पुत्री चूननाथ हिस्सा - 1/12, सोना देवी पुत्री चूननाथ हिस्सा - 1/12	381	सरदाऱपुरा	17.5766
23.	कलनाथ पुत्र बीझानाथ हिस्सा - 1/6, भैरनाथ पुत्र बीझानाथ हिस्सा - 1/6, भानीनाथ पुत्र बीझानाथ हिस्सा - 1/6, मेघनाथ पुत्र बीझानाथ हिस्सा - 1/6, सुन्दरनाथ पुत्र बीझानाथ हिस्सा - 1/6, सुरजनाथ पुत्र बीझानाथ हिस्सा - 1/6	380	सरदाऱपुरा	6.98
24.	शंकरलाल पुत्र तोलाराम	474/391	सरदाऱपुरा	6.3225
25.	ओमप्रकाश पुत्र स्व. भीखाराम हिस्सा - 1/6, गोपीराम पुत्र स्व. भीखाराम हिस्सा - 1/6, जेठी पत्नि स्व. भीखाराम हिस्सा - 1/6, रामेश्वरलाल पुत्र स्व. भीखाराम हिस्सा - 1/6, श्रवणराम पुत्र स्व. भीखाराम हिस्सा - 1/6, सोहनलाल पुत्र स्व. भीखाराम हिस्सा - 1/6	473/391	सरदाऱपुरा	6.3225
26.	पेमी पत्नि स्व . हाजारीराम हिस्सा - 1/6, भींयाराम पुत्र हजारीराम हिस्सा - 1/6, मोटाराम पुत्र हजारीराम हिस्सा - 1/6, रामूराम पुत्र हजारीराम हिस्सा - 1/6, लिछमणराम पुत्र हजारीराम हिस्सा - 1/6, सम्पतलाल पुत्र हजारीराम हिस्सा - 1/6	372	सरदाऱपुरा	11.8863
27.	अमरनाथ पुत्र ज्यानीनाथ	369/928	सरदाऱपुरा	10.1160
28.	गीता पुत्री गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, जेठनाथ पुत्र गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, जमना पुत्री गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, ज्यानीनाथ पुत्र भगवाननाथ हिस्सा - 1/2, बुधनाथ पुत्र गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, मघानाथ पुत्र गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, माया पुत्री गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, मोतीनाथ पुत्र गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, रेवन्तनाथ पुत्र गोपालनाथ हिस्सा - 1/18, सोदरा पत्नि स्व . गोपालनाथ हिस्सा - 1/18	369	सरदाऱपुरा	15.174
29.	रेवन्तनाथ पुत्र गोपालनाथ	369/932	सरदाऱपुरा	7.587
30.	फरीदनाथ पुत्र दीपनाथ	369/837	सरदाऱपुरा	3.7935
31.	देबूनाथ पुत्र दीपनाथ	369/929	सरदाऱपुरा	3.7935

क्र.सं.	वर्तमान मालिकान	आराज़ी	गाँव	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
32.	ओमप्रकाश पुत्र किशनलाल हिस्सा -1/8, कैलाशनाथ पुत्र केशूनाथ हिस्सा -1/36, किरणसरण पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36, किशना पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36, चम्पा पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36, जाना उर्फ जानकी पत्नि श्रवणनाथ हिस्सा - 1/8, दुर्गा देवी पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36, पूनमनाथ पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36, पुष्पा पत्नि स्व. केशूनाथ हिस्सा - 1/36, बनवारीनाथ पुत्र भूरनाथ हिस्सा - 1/4, राजूनाथ पुत्र भूरनाथ हिस्सा - 1/8, श्रवणनाथ पुत्र भूरनाथ हिस्सा - 1/8, सुशीला पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36, सोना पुत्री केशूनाथ हिस्सा - 1/36	369/930	सरदाऱपुरा	30.348
33.	गिरधारीनाथ पुत्र रामनाथ	369/933	सरदाऱपुरा	6.3225
34.	सागरनाथ पुत्र शेरनाथ	369/838	सरदाऱपुरा	7.5870
35.	अनवर पुत्री रामतुखॉं हिस्सा - 1/7, भवरुखॉं पुत्र रामतुखॉं हिस्सा - 1/7, मोहम्मदखॉं पुत्र रामतुखॉं हिस्सा - 1/7, यासीनखॉं पुत्र रामतुखॉं हिस्सा - 1/7, रहीमा पत्नि रामतुखॉं हिस्सा - 1/7, सुल्ताना पुत्री रामतुखॉं हिस्सा - 1/7, सहीदा पुत्री रामतुखॉं हिस्सा - 1/7	368	सरदाऱपुरा	18.9675
36.	मानसिंह पुत्र मेगसिंह हिस्सा -1/2, मोहनसिंह पुत्र मेगसिंह हिस्सा -1/2	366	सरदाऱपुरा	5.8167
37.	डालूराम पुत्र मोडाराम	365	सरदाऱपुरा	12.5944
38.	सादक पुत्र मोहकमखॉं	364	सरदाऱपुरा	0.8599
39.	सुरेशचंद पुत्र मोहनलाल हिस्सा -1/2, सरोज पत्नी सुरेशचंद हिस्सा -1/2	364/1	सरदाऱपुरा	8.8515
40.	गोमदराम पुत्र जैसाराम हिस्सा - 1/6, चुनाराम पुत्र जैसाराम हिस्सा - 1/6, चोरुराम पुत्र शंकरराम हिस्सा - 1/24, छोटुराम पुत्र जैसा राम हिस्सा - 1/6, तारुराम पुत्र शंकरराम हिस्सा - 1/24, बिसनारम पुत्र जैसाराम हिस्सा - 1/6, भंवरी पुत्री शंकरराम हिस्सा - 1/24, सुवटी पुत्री शंकरराम हिस्सा - 1/24, सोनाराम पुत्र जैसाराम हिस्सा - 1/6	375	सरदाऱपुरा	12.7967
41.	मंगला पुत्र रावता	376	सरदाऱपुरा	7.5870
42.	अकुडा पुत्र जालू	378	सरदाऱपुरा	11.3805
43.	नारायण पुत्र बुधा	379	सरदाऱपुरा	2.5290
44.	चान्दा पुत्र बुधा	379/820	सरदाऱपुरा	2.5290
45.	सन्दू पुत्र बुधा	379/819	सरदाऱपुरा	2.5290
46.	किशनाराम पुत्र कानाराम हिस्सा -1/3, कोजूराम पुत्र मोडाराम हिस्सा -1/3, पूर्णाराम पुत्र रामूराम – 1/3	423	सरदाऱपुरा	8.3963
47.	केसूराम पुत्र लूणाराम हिस्सा - 511/2770, कानाराम पुत्र रामचन्द्र हिस्सा - 511/2770, गोमन्दराम पुत्र लूणराम हिस्सा - 1/1385, जगदीश पुत्र जेठाराम हिस्सा - 511/2770, जमना पत्नि लूणाराम हिस्सा - 213/2770, नथी पत्नि सोनाराम हिस्सा -511/2770, सूरजा राम पुत्र लूणा राम हिस्सा - 511/2770	422	सरदाऱपुरा	5.7535
48.	मोहनराम पुत्र स्व. अन्नाराम	420	सरदाऱपुरा	16.5144
49.	गोविंदराम पुत्र आसाराम	419	सरदाऱपुरा	12.3415
50.	अमरसिह पुत्र प्रतापसिंह हिस्सा - 1/4, नाबालिग भैरुसिह पुत्र प्रतापसिह सरंक्षक मोहनकवर हिस्सा – 1/4, नाबालिग भीमसिह पुत्र प्रतापसिह सरंक्षक मोहनकवर हिस्सा - 1/4, मोहनकवंर पत्नि स्व. प्रतापसिह हिस्सा - 1/4	706 703 704/1	केलन	23.6967 42.3102 1.96
51.	कादरखां पुत्र खानू हिस्सा - 1/10, कालू खां पुत्र खानू हिस्सा - 1/10, खुर्शीदा पुत्री खानू हिस्सा - 1/10, जाका पुत्री खानू हिस्सा - 1/10, ठेकेखां पुत्र खानू हिस्सा - 1/10, निदामा पुत्री खानू हिस्सा - 1/10, पल्लूखां पुत्र खानू हिस्सा - 1/10, मूमताजअली पुत्र खानू हिस्सा - 1/10, लियाकतखां पुत्र खानू हिस्सा - 1/10, समीरा पुत्री खानू हिस्सा - 1/10	707/1513	केलन	6.3225
52.	हाजरा पत्नी आशिकअली	707/1516	केलन	5.0327
53.	अमीना पुत्री फरीदखां हिस्सा - 1/9, इज्जत पुत्री फरीदखां हिस्सा - 1/9, जमीला पुत्री फरीदखां हिस्सा - 1/9, बीरबलखां पुत्र फरीदखां हिस्सा - 1/9, यासीन पुत्र फरीदखां हिस्सा - 1/9, रेशमा पुत्री फरीदखां हिस्सा - 1/9, वकीला पुत्री फरीदखां हिस्सा - 1/9, शरीफा पत्नि स्व. फरीदखां हिस्सा - 1/9, सहीदा पुत्री फरीदखां हिस्सा - 1/9	707/1515	केलन	9.1297
54.	खेरू पुत्र गणेखां	707/1512	केलन	6.3225
55.	गफूरखां पुत्र सुलतान हिस्सा - 1/3, मन्ता पत्नि स्व. सुलतान हिस्सा - 1/3, सकूरखां पु सुलतान हिस्सा - 1/3	707/1514	केलन	6.3225
56.	आसिक पुत्र कासमखॉं हिस्सा - 4/5, शरीफा पत्नि कासमखॉं हिस्सा - 1/5	716/1265	केलन	6.3225
57.	हरप्रीतकौर पत्नि सुखमन्दरसिंह	716/1759	केलन	5.058
58.	इन्साफ पुत्र हजूरेखां हिस्सा - 697/5019, कुरबान पुत्र हजूरे रेखां हिस्सा - 697/5019, गुड्डी पत्नि सिकन्दरखॉं हिस्सा -145/1673 जन्ती पुत्री हजूरे रेखां हिस्सा - 28/717, बिस्मिला पुत्री हजूरेखां हिस्सा - 28/717, भूरा पत्नि हजूरे रेखां हिस्सा - 28/717, मंजूरखां पुत्र शादा हिस्सा - 35/239, सुभान पुत्र मो. हजूरे खान हिस्सा - 697/5019, सिकन्दरखॉं पुत्र शादा हिस्सा - 390/1673	716/1258 814 816 894 872 817 896	केलन	2.529 12.1392 0.6323 2.4026 2.1497 0.607 0.6955
59.	अयान पुत्र मनफूल हिस्सा - 1/40, आरजू बानो पुत्री मनफूल हिस्सा - 1/40, कमो पुत्री अकबर हिस्सा - 1/8, गुलाम कादर पुत्र अकबर हिस्सा - 1/8, गामा पुत्री अकबर हिस्सा - 1/8, नसीबा पत्नि स्व. अकबर हिस्सा - 1/8, बाबू खां पुत्र मनफूल हिस्सा - 1/40, मरियम पुत्री अकबर हिस्सा - 1/8, शर्मा पुत्री अकबर हिस्सा - 1/8, सलमा पत्नि मनफूल हिस्सा - 1/40, सिमरन पुत्री मनफूल हिस्सा - 1/40 हैदरखॉं पुत्र अकबर हिस्सा - 1/8	701 700/1 825 826 829 830	केलन	4.5522 6.0443 3.4394 1.8968 0.5943 2.921

उपरोक्त जमीन के वर्तमान मालिकान ने दर्शाया तथा घोषित किया है कि, उपरोक्त जमीन सभी तरह के भार, प्रभार, पट्टा आदि से मुक्त है। उपरोक्त जमीन के वर्तमान मालिकान ने यह भी घोषित किया है कि जमीन किसी भी तरह के कोई समझौता, पट्टा, समझौता ज्ञापन आदि का हिस्सा\ विषय नहीं है और कोई कानूनी बाधाओं से प्रभावित नहीं हैं एवं उपरोक्त जमीन खरीदने के लिए कानूनी रूप से पाक साफ़ है। तात्पर्य यह है की उक्त जमीन के सन्दर्भ में हमारे मुवक्किल इस आधार पर उपरोक्त जमीन के गुणों का ध्यान रखते हुए इसे खरीदने के लिए सहमति व्यक्त किया है। कोई भी व्यक्ति, कंपनी, एजेंसी, तथा संस्था का कोई अधिकार, हक़, दावा, वाह मांग उपरोक्त ज़मीन या उसके किसी हिस्से के विरुद्ध हो जो की विरासत, बंधक, कब्जे के माध्यम से, बिक्री, विनिमय, लाइसेंस, उपहार, पट्टा, ग्रहणाधिकार, प्रभार, विश्वास, रखरखाव, वसीयत, सहजता, विकास के अधिकार, साझेदारी, संयुक्त उद्यम, हुकमनामा या किसी भी न्यायालय के आदेश, अधिग्रहण की सूचना या किसी अन्य समझौते / समझ अनुसरण, के तहत हो तो वह व्यक्ति, कंपनी, एजेंसी, तथा संस्था को इस सार्वजनिक सूचना के जारी करने के सात (7) दिनों के भीतर मूल रूप से दस्तावेजी साक्ष्य के साथ नीचे दिए गए पते पर, अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में, समान रूप से ज्ञात करने की के आवश्यकता हैं। यदि पूर्वकथित अवधि के दौरान कोई भी दावा/आपत्ति नीचे दिए गए पते पर ज्ञात \सूचित करने में विफल होते हैं तोह वह दावा/आपत्ति आदि को माफ कर दिया गया/परित्यक्त, माना जाएगा।

श्री दीपक चौधरी, वकील, +91 9490141393/ +91 8125506521
2 फ्लोर, ब्लॉक डी, द मीरा, मथुरा रोड, नई दिल्ली 110065 इंडिया

बीगोद में साढ़े पांच इंच बारिश से बाढ़ के हालात

मूसलाधार बारिश से त्रिवेणी नदी में एक फीट पानी आया

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ के बीगोद कस्बे में सोमवार दोपहर बाद शुरू हुई बारिश से बाढ़ के हालात बन गए। बारिश का पानी मकानों और दुकानों में घुस गया। जिससे कई लोगों के भारी नुकसान होने की जानकारी सामने आई हैं। बीगोद से खटवाड़ा सड़क मार्ग पुलिया पर पानी आने से अवरूद्ध हो गया। मूसलाधार बारिश से हुए नुकसान और बेघर हुए लोगो के हालात का जायजा लेने मौक़े पर प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा नहीं पहुंचा। जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ गया। रविवार तक सूखे पड़े एनिकट पर भी चादर चलने लगी है।

चौधरिया और गोविंदपुरा सड़क मार्ग पर पांच फीट तक पानी आने से बंद हो गए। बीगोद में मूसलाधार हुई बारिश से दशहरा मैदान स्थित बैरवा बस्ती, पुराना बाजार, नई आबादी सहित अन्य कॉलोनियों के मकानों और दुकानों में दो फीट तक पानी भर गया।

- भारी बरसात से बीगोद-खटवाड़ा सड़क मार्ग हुआ बंद
- बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने प्रशासन मौक़े पर नहीं पहुंचा

चमन चौराहा पर भी कई मकानों और दुकानों में पानी भर गया। सायं 4 बजे से शुरू हुई मूसलाधार बारिश साढ़े पांच बजे तक चली। बीसलपुर परियोजना विभाग के अनुसार कस्बे में साढ़े पांच इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। मूसलाधार बारिश से त्रिवेणी नदी में भी देर सायं तक एक फीट पानी आ गया।

माण्डलगढ़ के बीगोद कस्बे में हुई बरसात से चौधरिया और गोविंदपुरा सड़क मार्ग पानी आने से बंद हो गए।

कोटपूतली में बारिश से घरों में भरा पानी

कोटपूतली, (निसं)। सोमवार अल सुबह कोटपूतली व आसपास के क्षेत्र में मानसून की पहली बारिश हुई जो दोपहर बाद तक रूक-रूक कर निरन्तर जारी रही। एक ओर जहां यह वर्षा किसानों के चेहरे पर खुशी लेकर आई है। वहीं दूसरी ओर कस्बे में ड्रेनेज व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी।

करीब 8 से 10 घण्टे तक रूक-रूक कर लगातार हुई बारिश से बानसूर रोड से लेकर पुरानी नगर पालिका तिराहा, मौहल्ला चौधरियान, पूतली रोड, गढ़ कॉलोनी, अम्बेडकर कॉलोनी, कोर्ट व पंचायत समिति परिसर के सामने, दुर्गा माता मंदिर के

- करीब 8 से 10 घण्टे तक हुई बारिश से सड़कें लबालब

ईलाके की सडकें सहित कस्बे की विभिन्न कॉलोनियों की सड़कें भी जलमग्न नजर आई।

मानसून पूर्व के नाकाफी बंदोबस्त से कस्बावासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के विभिन्न ईलाकों व कॉलोनियों में बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस गया।

मूसलाधार बरसात से सड़कें दरिया बनी

कॉलोनियों व महावीर मार्ग में मकानों व दुकानों में पानी भरने से लाखों का हुआ नुकसान

मालपुरा, (निसं)। सोमवार की दोपहर बाद तेज गर्जना के साथ हुई मानसून पूर्व की मूसलाधार बरसात से मालपुरा शहर की सड़कें दरियां बन गई तो आवासीय कॉलोनी सहित नवीन मंडी व महावीर मार्ग में तीन फीट से अधिक पानी भर जाने से व्यापारियों व आमजन को लाखों रूपयों का नुकसान हो गया। तकरीबन एक घंटे तक हुई मूसलाधार बरसात से पालिका प्रशासन द्वारा मानसून से पूर्व नालों की सफाई

- बरसाती नालों की सफाई के नाम पर की गई थी लीपापोती

के नाम पर की गई लीपापोथी का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ा। महावीर मार्ग व बस स्टैण्ड सहित गांधी पार्क, नवीन मंडी, ट्रक स्टैण्ड, सिंधी कॉलोनी, बृजलाल नगर सहित दर्जनों आवासीय कॉलोनियों व मुख्य बाजार 2 घंटे से अधिक पानी से भरे रहे। वहीं व्यापारियों की दुकानों का सामान पानी में तैर गया। कई दुपहिया वाहन पानी के बहाव में बहते नजर आये। मूसलाधार बरसात से परेशान व्यापारी व आमजन चिल्लाते रहे तो प्रशासन मूकदर्शक बना रहा।

ईओ राजपाल बुनकर से शहर की चरमराई पानी निकासी की अव्यवस्थाओं को लेकर जानकारी चाहने पर ईओ ने बताया कि प्रभावशाली व बाहुबली सहित राजनैतिक व धनबल वाले लोगों द्वारा बरसाती पानी की निकासी के मार्ग व नालों पर पक्के व स्थाई अतिक्रमण कर लेने से बरसाती पानी की निकासी अवरूद्ध हुई है। नालों से अतिक्रमण हटाने को लेकर पालिका द्वारा कार्यवाही करने पर राजनैतिक हस्तक्षेप सबसे बड़ा रोडा बन जाते हैं। वहीं पीड़ित व व्यापारी व आमजनों ने बताया कि प्रभावशाली लोगों द्वारा नालों पर अतिक्रमण कर खांचा भूमि के नाम से जनप्रतिनिधियों के मार्फत पानी के बहाव व नालों पर ही पालिका से पट्टे बना पक्के निर्माण किये जा रहे हैं।

आमजन का कहना है कि यदि नालों पर व बहाव क्षेत्रों में अतिक्रमण हुए हैं तो उन्हें हटाया क्यों नहीं गया। अतिक्रमणों को हटाने के बजाय खांचा भूमि के नाम पर क्यों पट्टे जारी किये गये। पालिका प्रशासन अब अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए नालों पर अतिक्रमण की बात कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड रहा है। पुरानी तहसील बम्ब तालाब के पास सामुदायिक भवन की तकरीबन 50 फीट से अधिक पत्थर की दीवार धराशाही हो जाने व तालाब की पाल में रिसाव की मिली सूचना से हड़कम्प मच गया।

मालपुरा में हुई मूसलाधार बरसात से महावीर मार्ग सहित दर्जनों कॉलोनियां व मुख्य बाजार जलमग्न हो गये।

पाली व जोधपुर में बरसे बादल

पाली में हुई बरसात से सड़कें लबालब हो गई।

जोधपुर, (कासं)। दक्षिण पश्चिम मानसून प्रदेश में सक्रिय हो गया है। सोमवार दोपहर बाद करीब तीन बजे जमकर बरसात हुई। सुबह से ही मानसूनी बादलों को डेरा शहर पर छाया हुआ था। मारवाड़ में पिछले एक दो दिन से बादलों का जमावड़ा होने लगा था। उमस भी बनी रही। ऐसे में आज बारिश के बने हुए थे।

दोपहर बाद हुई तेज बारिश से देखते ही देखते सड़कें लबालब हो गई। प्रशासन भी मानसून को लेकर अलर्ट है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में मानसून की सक्रियता से कहीं कहीं पर भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग की मानें तो आगामी दो तीन दिन में मानसून पूरे प्रदेश पर छा जाएगा। पांच संभागों में मानूसन की बारिश शुरू हो चुकी है। जोधपुर संभाग में इसमें दो तीन दिन में प्रवेश की प्रबल संभावना है। बिपरजॉय तूफान के बाद प्रदेश में बारिश का दौर अब मानूसन से शुरू हो चुका है।

पाली संवाददाता के अनुसार :- पाली शहर सहित जिलेभर में पिछले दो दिन से शाम होते ही रिमझिम बारिश शुरू हो जाती है, लेकिन सोमवार दोपहर 2 बजे से करीब 1 घंटे तक जमकर बारिश हुई। जिससे शहर की सड़कें लबालब हो गई। डेढ घंटे चली बारिश से शहर की कई चौराहों व गलियों में पानी भर गया और आवागमन बाधित रहा। उसके बाद शाम पांच बजे से फिर से बूंदाबांदी शुरू हुई। आसमान में बादल छाए रहे।

सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा थाना इलाके में एक नाबालिक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कालाडेरा थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

लड़की ने रिपोर्ट में 3 लोगों के खिलाफ एक बेकरी में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया है। वहीं वारदात में सहयोग करने वाली एक अन्य युवती पर भी आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी आकाश बुनकर, रोशन जाट, दीपक बुनकर के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। लड़की ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपियों ने पहले उसे बेकरी में ले जाकर जूस में नशीला पदार्थ पिलाया और उसके बाद बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपियों ने अश्लील वीडियो फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उसे धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल करते रहे और कई बार उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता का मुकदमा दर्ज कराने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस पूरे मामले की जांच गोविन्दगढ डीवाईएसपी बालाराम चौधरी को सौंपी गई हैं।

भारत-पाक सरहद पर पकड़ा युवक

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक संदिग्ध युवक पकड़ा गया है। संदिग्ध युवक को घोटारू इलाके में घूमते सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पकड़ा। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पींटू रविदास निवासी छत्तीसगढ़ बताया। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पूछताछ के बाद युवक को रामगढ़ पुलिस के हवाले किया। अब रामगढ़ पुलिस संदिग्ध लग रहे युवक को संयुक्त जांच कमेटी (जेआईसी) को सौंपेगी। संयुक्त जांच कमेटी में सभी सुरक्षा एजेंसियां संदिग्ध युवक से पूछताछ करेगी।

जालोर में राजस्थान के सह प्रभारी विरेन्द्र सिंह राठौड़ के समक्ष टिकट की दावेदारी जताई

वीरेंद्रसिंह राठौड़ ने सोमवार को सर्किट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से वन टू वन वार्ता कर जिलेभर का फिडबैक लिया

जालोर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व राजस्थान के सह प्रभारी वीरेंद्रसिंह राठौड़ ने सोमवार को सर्किट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से वन टू वन वार्ता कर जिलेभर का फिडबैक लिया तथा संभावित प्रत्याशियों ने अपने अपने आवेदन पेश किया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व राजस्थान के सह प्रभारी वीरेंद्रसिंह राठौड़ के समक्ष जालोर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व प्रत्याशी मंजू मेघवाल, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, सुष्मिता गर्ग, रानीवाड़ा पूर्व प्रधान रमिला मेघवाल, आहोर पूर्व प्रधान भंवरलाल मेघवाल, सुमेरमल जीनगर, सरपंच दीपाराम मेघवाल, दीपाराम मेघवाल, कुष्णकुमार मेघवाल, पुखराज मेघवाल, पूर्व सभापति ईन्दू परिहार, भरत मेघवाल, पार्षद राजेन्द्र कुमार सहित कई संभावित उम्मीदवारो ने अपने आवेदन पेश किए। वहीं भीनमाल विधानसभा क्षेत्र में पूर्व प्रत्याशी उमसिंह चांदराई अपने सैकडों समर्थकों के साथ अपना आवेदन पेश किया। वहीं उमसिंह के समर्थन में सैकडों समर्थक केसरिया साफा पहनकर उमसिंह को टिकिट देने की मांग की।

जिस पर सह प्रभारी राठौड़ ने आश्वासन दिया कि आप ज्यादा भीड़ लेकर आये हैं। आपके समर्थकों में जोश व उत्साह को देखते हुए जिले में कांग्रेस के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित है। युवा बोर्ड के सदस्य सुनील पुरोहित ने भी अपना आवेदन पेश किया। पुरोहित ने अपना आवेदन पेश कर बताया कि भीनमाल में राजपुरोहित समाज का कांग्रेस के प्रति लगाव है। लोग के कांग्रेस की जनकल्याणकारी योजनाओ से खुश नजर आ रहे हैं। लोगों में कांग्रेस के प्रति विश्वास बढ़ा है जो आने वाले समय में कांग्रेस के प्रति सकारात्मक माहौल होने से प्रदेश में कांग्रेस सरकार रिपिट होगी। निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ. समरजीत सिंह, श्रवणसिंह दासपा, आमसिंह परिहार सहित अन्य दावेदारो ने अपने आवेदन पेश किए। आहोर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व प्रत्याशी सवाराम पटेल, आमसिंह परिहार, सरोज चौधरी, लक्ष्मी मीणा, पूर्व प्रधान प्रदीप सिंह, लालसिंह धानपुर सहित अन्य दावेदारों ने अपने आवेदन पेश किए। वहीं रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक रतन देवासी, डॉ. रमेश देवासी, परसराम ढ़ाका सहित अन्य दावेदारों ने अपने आवेदन पेश किए।

सांचौर विधानसभा क्षेत्र से मंत्री सुखराम विश्नोई, पूर्व विधायक हीरालाल विश्नोई, जयकिशन, गौरव सारण सहित अन्य दावेदारों ने अपने आवदेन पेंश किए। इससे पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व राजस्थान के सह प्रभारी वीरेंद्रसिंह राठौड़ के सर्किट हाऊस पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से स्वागत कर कांग्रेस पार्टी के जिन्दाबाद के नारे लगाये। सर्किट हाऊस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई।

जालोर शहर के सर्किट हाऊस में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व राजस्थान के सह प्रभारी वीरेंद्रसिंह राठौड़ के समक्ष ऊँमसिंह के समर्थन में लोगों ने टिकिट देने की मांग की।

- पूर्व प्रत्याशी मंजू मेघवाल, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, पूर्व प्रधान रमिला मेघवाल सहित कई संभावित उम्मीदवारों ने अपने आवेदन पेश किए

प्रत्याशियो के समर्थन में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता अपने अपने निजी वाहनों से सांचौर, रानीवाडा, भीनमाल, आहोर से पहुंचे तथा अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में राठौड़ के समक्ष हार-जीत का समीकरण बताया जहां राठौड़ ने प्रत्येक कार्यकर्ता से वन टू वन बात कर विधानसभा क्षेत्र के फीडबैक लिया तथा कार्यकर्ताओ को आश्वासन दिया कि आपकी बात आलाकमान तक पहुंचाई जायेगी। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीड की हड्डी है।

रानीवाडा व भीनमाल से सैकडो कार्यकर्ता पहुंचे जालोर :- रानीवाडा के पूर्व विधायक रतन देवसी के समर्थन में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता अपने निजी वाहनों से सर्किट हाऊस पहुंचे। जहां सहप्रभारी के समक्ष रतन देवासी के समक्ष विधानसभा क्षेत्र का फीडबैक दिया।

कबाड़ गोदाम में मिला मालिक का जला हुआ शव

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित खेमका शक्ति मंदिर के पास कबाड़ गोदाम में गोदाम मालिक का जला हुआ शव मिलने से सोमवार को क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बिसाऊ निवासी मुरारीलाल शर्मा पिछले करीब 20 वर्षों से यहां कबाड़ का काम करता है। मृतक के पास मिली नोटबुक में कर्ज से परेशान होने की बात सामने आयी है।

सूचना के बाद डीएसपी सहित कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव के पास पेट्रोल की खाली बोतल भी मिली है। अब पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। डीएसपी की सूचना पर एफएसएल टीम भी घटना स्थल पर पहुंची और मौके से घटना के साक्ष्य जुटाये। पुलिस ने मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक बिसाऊ निवासी 45 वर्षीय मुरारी लाल शर्मा ने चूरू में खेमका शक्ति मंदिर के पास कबाड़ का गोदाम कर रखा है। सोमवार सुबह गोदाम से आग का धुआं निकलता दिखाई देने पर पड़ोसियों ने मुरारी के परिजनों को सूचना दी।

- बिसाऊ निवासी मुरारीलाल 20 वर्षों से कर रहा था कबाड़ का काम
- शव के पास पेट्रोल की खाली बोतल भी मिली
- मृतक के पास मिली नोटबुक में कर्ज से परेशान होने की बात सामने आयी

कबाड़ गोदाम का गेट अंदर से बंद होने के कारण से लोगों ने दूसरे गेट को खोला और अंदर पहुंचे तो एक कमरे से धुआं निकल रहा था और बिस्तर पर मुरारी का शव जल रहा था। लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने मौका निरीक्षण किया और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान अस्पताल में पुलिस का जाप्ता तैनात रहा।

स्पष्ट है गलत फीडबैक के आधार पर जिलों की घोषणा हुई!

जिलों के सीमांकन से पहले बढ़ा विवाद, मुख्यमंत्री को विधायकों से करनी पड़ी बात

- विवादों से निपटने के लिए कई जिलों की घोषणा होगी वापस, सीमांकन करना सबसे बड़ी चुनौती
- दो दिन पहले ही दूदू में जबरन शामिल कराने का विरोध करते हुए सांभर-फुलेरा और जोबनेर की जनता ने किया था अजमेर हाईवे जाम

जयपुर, (का.प्र.)। जैसी संभावना थी, ठीक वैसा ही हो रहा है और राजस्थान में नए जिलों का विवाद अब सड़कों पर आ गया है। पहले धरने प्रदर्शनों से शुरू हुआ यह विवाद अब हाईवे जाम, आंसू गैस और हिरासत तक पहुंच गया है। ऐसे में सीमांकन की घोषणा और जिलों की अधिसूचना जारी होने से पहले ही मुख्यमंत्री इस विवाद को सुलझाने में जुट गए हैं। हालांकि अब सरकार के भी यह बात समझ आ गई है कि गलत फीडबैक के आधार पर जिलों का फैसला किया गया था।

वैसे तो राजस्थान में जिलों की घोषणा होने के बाद लगभग सभी जिलों में विवाद की स्थिति है और यह विवाद जयपुर शहर के दो टुकड़े करने और जयपुर ग्रामीण में कोटपूतली- बहरोड़ के अलावा दूदू को जिला बनाने के बाद सर्वाधिक बढ़ा। उसके बाद केकड़ी, शाहपुरा, अनूपगढ़, सांचौर, भीनमाल, मालपुरा, मसूदा और खैरथल-कठूमर से लेकर डीग-कुम्हेर तक बना हुआ है।

दो दिन पहले दूदू में शामिल होने से मना करने के बाद सांभर-फुलेरा और जोबनेर की जनता जिस तरह से मुख्यमंत्री के सलाहकार बाबूलाल नागर की धमकी के बाद अजमेर हाईवे पर उतरी और विवाद भड़क गया। उसके बाद अब मुख्यमंत्री ने जयपुर जिले के तमाम विधायकों को बुलाकर इस विवाद को सुलझाने का प्रयास शुरू किया है। हालांकि एक बात स्पष्ट है कि अब विधायकों ने जिस तरह से मुख्यमंत्री को फीडबैक दिया है, उसके बाद ना तो जयपुर शहर दो हिस्सों में बटेगा और ना अब दूदू जिला बन पाएगा। ऐसे में जयपुर ग्रामीण में एक नया जिला बन सकता है जिसमें कोटपूतली बहरोड में आने वाले क्षेत्र के अलावा बाकी बचे तमाम क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं।

विधायकों के साथ हुई बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह आश्वासन दिया कि जबरदस्ती किसी क्षेत्र को दूदू में शामिल नहीं किया जाएगा। लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा। बैठक में दूदू जिले को लेकर उठे विवाद पर मंत्री और विधायकों ने मुख्यमंत्री से खुलकर कहा कि इस मामले में जनभावना पूरी तरह खिलाफ है। बगरू, जोबनेर, फुलेरा, सांभर क्षेत्र के लोग दूदू में जाने को तैयार नहीं हैं। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बैठक में सीएम से साफ कहा कि जोबनेर से लेकर आसपास के लोग जयपुर से अलग नहीं होना चाहते हैं। यहां के लोग जयपुर जिले में ही रहना चाहते हैं, हमें जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। सांभर फुलेरा की जिले की मांग भी पुरानी है, इन लोगों की बात सुनने की जगह दूदू में जबरदस्ती शामिल करने से आक्रोश है, इस मामले को जल्द नहीं सुलझाया तो नुकसान होगा।

बैठक में जयपुर शहर के विधायकों ने भी एक सुर में कहा कि राजधानी के टुकड़े नहीं होने चाहिए। दूदू जिले में शामिल करने का विरोध कर रहे इलाकों के विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लोकसभा क्षेत्र की तर्ज पर जयपर ग्रामीण और जयपुर लोकसभा में सभी आठों विधानसभा क्षेत्र शामिल किए जाएं। बैठक में यह सुझाव दिया गया कि इन इलाकों के लोग जयपुर के नाम से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। जयपुर शहर क्षेत्र को जयपुर और दूदू और इसके आसपास के क्षेत्रों को मिलाकर जिले का नाम जयपुर ग्रामीण कर दिया जाता है तो लोग तैयार हो जाएंगे। ऐसे में अब दूदू जिले की जगह जयपुर ग्रामीण नाम किया जा सकता है। दूदू में शामिल होने का विरोध कर रहे चाकसू विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने बैठक के बाद कहा कि मुख्यमंत्री से जिलों के विवाद पर बात हुई है, सब समाधान हो जाएगा, सीएम खुद बयान देंगे, सीएम हमारी मांगों और सुझावों पर सकारात्मक है इसलिए अब नाराजगी जैसी बात नहीं है। मैंने साफ कहा है कि चाकसू विधानसभा क्षेत्र का कोई गांव दूदू में नहीं जाना चाहिए। माधोराजपुरा के लोग दूदू में शामिल कराने की कोशिश के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। चाकसू क्षेत्र का एक भी गांव दूदू में नहीं जाना चाहिए। दूदू को अकेले जिला या राज्य जो भी बनाना है बना दीजिए।

वही मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा और किसी भी क्षेत्र को दूदू में जबरदस्ती शामिल नहीं किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि जयपुर शहर के दो जिले नहीं बनेंगे और एक ही जिला रहेगा। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिलों की बंपर घोषणा करके जो राजनीतिक फायदा लेना चाहते थे, अब हर जिले में उठ रहे विवाद के चलते कांग्रेस को इसका नुकसान होता ज्यादा दिख रहा है, क्योंकि कई जगह तो जिलों के बंटवारे में सीमांकन के दौरान एक विधानसभा 2 जिलों में जा रही है, तो कई जगह 3 जिलों में हिस्सा बट रहा है। ऐसे में अब कांग्रेस के जो मंत्री-विधायक जिलों की घोषणा पर स्वागत सत्कार करा रहे थे। अब वह किसी तरह से इस विवाद से बाहर निकलने के रास्ते ढूंढ रहे हैं।

सत्ता वापिसी का पैंतरा आज सरकार के गले की फांस बन गया : राजेन्द्र राठौड़

- 'सांभर-फुलेरा को जिला बनाने की मांग को लेकर हजारों लोग आंदोलनरत हैं जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। लाठीचार्ज में 24 लोग घायल हो गए हैं
- 'सुजानगढ़, भीनमाल, सूरतगढ़, भिवाड़ी, लाडनूं, देवली व अनूपगढ़ को अलग जिला बनाने तथा घोषित जिलों डीडवाना-कुचामन, बहरोड-कोटपूतली में जिला मुख्यालयों के चयन और जयपुर व जोधपुर को एक जिले से दो भागों में विभक्त नहीं करने को लेकर जगह-जगह आंदोलन चल रहे हैं'

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 17 मार्च को सदन में राजस्थान विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2023 और राजस्थान वित्त विधेयक 2023 पर चर्चा के दौरान रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट के आये बिना प्रदेश में 19 जिलों के गठन और 3 संभाग गठित की घोषणा करके सत्ता में वापिस लौटने का जो पैंतरा आजमाया गया था वो आज सरकार के गले की फांस बन गया है। नये जिलों को लेकर प्रदेश में चल रहे आंदोलन हिंसक हो गये हैं। कांग्रेस सरकार चुनाव के चलते जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

राठौड़ ने कहा कि सांभर-फुलेरा को जिला बनाने की मांग को लेकर हजारों लोग आंदोलनरत हैं जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। लाठीचार्ज में 24 लोग घायल हो गए हैं। सुजानगढ़, भीनमाल, सूरतगढ़, भिवाड़ी, लाडनूं, देवली व अनूपगढ़ को अलग जिला बनाने तथा घोषित जिलों डीडवाना-कुचामन, बहरोड-कोटपूतली में जिला मुख्यालयों के चयन और जयपुर व जोधपुर को एक जिले से दो भागों में विभक्त नहीं करने को लेकर जगह-जगह आंदोलन चल रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 16 के तहत जनता से राय एवं सुझाव लेकर ही नोटिफिकेशन जारी कर नये जिलों का गठन किया जा सकता है। नये जिलों की घोषणा को 3 माह से अधिक समय बीत चुका है। 1 अप्रैल 2023 को विधिवत रूप से नये जिले अस्तित्व में आ जाने चाहिये थे लेकिन अभी तक सरकार ने कलेक्टर की बजाय महज विशेषाधिकारी लगाये हैं। दुर्भाग्य है कि कांग्रेस सरकार ने नये जिलों के लिए ना तो अभी तक कोई नोटिफिकेशन जारी किया है और ना ही जनता से कोई राय/सुझाव/आपत्तियां मांगी हैं। जिलों के गठन की घोषणा के बाद से ही घोषित जिलों में आपाधापी में भू-माफिया गैंग सक्रिय हो गई है जिससे अराजकता का वातावरण बन रहा है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट के इंतजार के बिना व बिना कोई विधिक प्रक्रिया अपनाएं और बिना किसी प्रशासनिक सुदृढ़ता के नये जिलों/संभागों की घोषणा करके महज राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति मात्र करने का ढोंग किया है। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में 19 जिलों व 3 संभागों के लिए गठन के लिए सरकार ने महज 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जबकि इतने बजट की आवश्यकता तो अकेले एक नये जिले को होगी। सरकार के कार्यकाल में चुनाव आचार संहिता लगने में मात्र 3 माह बचे हैं और सरकार द्वारा नियुक्त ओएसडी सीमांकन के कार्य से कोसों दूर हैं क्योंकि अभी तक उन्हें स्वयं के कार्यालय ढूंढने में ही मशक्कत करनी पड़ रही है। राठौड़ ने कहा कि सरकार ने जिन जिलों की घोषणा की थी, उसमें जयपुर एवं जोधपुर को दो अलग अलग जिलों में बांटने को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बरकरार है। इसी प्रकार कुचामन व डीडवाना जिला की दूरी महज 45 किमी है। कोटपूतली-बहरोड में से जिला हेडक्वार्टर कौनसा रहेगा, इसको लेकर भी असमंजस की स्थिति है। मुख्यमंत्री ने समर्थित दोनों निर्दलीय विधायकों को खुश करने के लिए दूदू और गंगापुर सिटी को सीधा जिला बना दिया। सरकार और कांग्रेस का अंदरूनी अंतर्द्वंद्व भी अब नए जिलों के आंदोलन में सड़कों पर देखा जा सकता है। कई जगह तो सिरफुटौव्वल तक की नौबत आ रही है। यानी सरकार ने बिना किसी कमेटी की रिपोर्ट के, बिना जन सुझाव मांगें सिर्फ राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए नये जिलों की घोषणा कर घोषणा कर डाली जो न्यायसंगत नहीं है।

भागवत कथा में कृष्ण रुक्मणी का विवाह कराया

- भाजपा विधायक अशोक लाहोटी कथा सुनने पहुंचे
- कथा का आज भंड़ारा प्रसादी के साथ समापन होगा

जयपुर। राजधानी के दुर्गापुरा इलाके में रेलवे स्टेशन के सामने स्थित राजा मानसिंह स्कूल में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को कथा में कृष्ण-रूक्मणी विवाह के प्रसंग का वर्णन किया गया।

21 जून से चल रही भागवत कथा में भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जा रहा है। कथावाचक संत महेशराम जी महाराज ने सोमवार को कथा में कृष्ण रुक्मणी विवाह कराया गया। इस दौरान उन्होंने श्रोताओं को भगवान कृष्णन और रुक्मणीजी के विवाह की कहानी सुनाई। इसके अलावा भगवान के रणछोड़ नाम का भी वृतांत सुनाया। कथा के दौरान कृष्ण और रूक्मणी जी की झांकी सजाई गई। श्रृद्धालुओं ने भगवान को उनके विवाह के अवसर पर उपहार भेंट कर उनकी पूजा अर्चना की। इस बीच सैकड़ों भक्तों ने भगवान के भजनों और गीतों पर जमकर नृत्य किया।

इस अवसर पर सांगानेर से भाजपा विधायक अशोक लाहोटी भी कथा सुनने पहुंचे। आज की कथा समाप्त होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी वितरण किया गया। मंगलवार को भागवत कथा का समापन हो गया। इस अवसर पर भंड़ारे का आयोजन किया गया है।

दुष्कर्मी युवक को दस साल की सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले युवक अमन को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 वर्षीय इस अभियुक्त पर तीस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता के कपड़ों पर अभियुक्त का डीएनए मैच हुआ है। इससे साबित है कि उसने पीड़िता से संबंध बनाए थे। इसके अलावा पीड़िता के नाबालिग होने के चलते उसकी सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

आचार्य सौरभ सागर का बापू नगर में मंगल प्रवेश

जयपुर। आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य आचार्य सौरभ सागर महाराज का सोमवार को बापू नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश संपन्न हुआ। इस दौरान समाज श्रेष्ठि राजीव जैन गाजियाबाद वाले, महेंद्र पाटनी, अशोक पाटनी, मनोज झांझरी, आलोक जैन तिजारिया, राजेश बड़जात्या, बाबूलाल जैन इटुंदा चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष कमलेश जैन (बावड़ी वाले), मंत्री महेंद्र जैन पचाला वाले, मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या, कार्याध्यक्ष दुर्गालाल जैन नेता सहित बापू नगर जैन समाज, युवा मंडल, महिला मंडल की पदाधिकारियों ने आचार्य श्री अगवानी की।

प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया कि इस वर्ष आचार्य सौरभ सागर महाराज का चातुर्मास प्रताप नगर स्थित सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में होगा, आचार्य श्री का 29 जून को प्रताप नगर में भव्य मंगल प्रवेश होगा, रविवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज ने जयपुर नगरी में पहली बार मंगल प्रवेश किया था, जिसके बाद सोमवार को बापू नगर, मंगलवार को दुर्गापुरा, बुधवार को चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर में प्रवेश करेंगे, गुरुवार को चित्रकूट कॉलोनी से विहार कर श्योपुर रोड, पिंजरपोल गौशाला, हल्दीघाटी मार्ग से होते हुए प्रताप नगर सेक्टर 8 में प्रवेश करेंगे। रविवार 2 जुलाई को चातुर्मास मंगल कलश स्थापना, 3 को गुरुपूर्णिमा महोत्सव, 4 को वीर शासन जयंती आचार्य श्री के सानिध्य में मनाई जाएगी।

सोमवार को आचार्य श्री ने बापू नगर में मंगल प्रवेश करने के पश्चात श्रीजी के दर्शन किए इसके उपरांत धर्मसभा का आयोजन हुआ, सभा के बाद समाजश्रेष्ठि राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद वाले के निवास पर आचार्य श्री की आहार चर्या संपन्न हुई।

भारत ने रिकॉर्ड 202 पदकों से साथ बर्लिन को कहा अलविदा

बर्लिन, 26 जून। आशाओं और उत्साह से भरी भारतीय टीम ने 2023 स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपना अभियान रिकॉर्ड 202 पदकों के साथ समाप्त किया है। भारत के प्रेरणादायक एथलीटों ने रविवार को समाप्त हुए आयोजन में 76 स्वर्ण, 75 रजत और 51 कांस्य पदक हासिल किए, जिसमें आखिरी दिन धावकों ने बहुमूल्य योगदान दिया। भारत ने ट्रैक पर आखिरी दिन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य सहित छह पदक अपनी झोली में डाले। आंचल गोयल (408 मीटर, महिला लेवल बी) और रविमति अरुमुगम (400 मीटर, महिला लेवल सी) ने पोडियम पर शीर्ष सम्मान हासिल किया। मिनी जेवलिन (लेवल बी) में रजत जीतने वाले साकेत कुंडू ने पुरुष लेवल बी 400 मीटर में भी कांस्य का तमगा जीता। स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष, डॉ. मल्लिका नड्डा ने बर्लिन खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन पर कहा, हमारे ज्यादातर एथलीटों को विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा है, और विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें समाज का गैर-कार्यशील सदस्य माना गया है। यह विचार गलत है। खेल के मैदान में उनका प्रदर्शन साबित करता है कि वे ताकत, गति, एकाग्रता और अनुशासन दिखाने में सक्षम हैं। मुझे उम्मीद है कि इससे बाहर के लोगों की आंखें खुलेंगी और यह साबित हो जाएगा कि हमें इस आंदोलन को और विस्तारित करने एवं इसे अधिक समावेशी बनाने की जरूरत है।

काशी को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात

लखनऊ, 26 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को अगले साल के अंत तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम की सौगात मिल सकती है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह उत्तर प्रदेश का यह पहला क्रिकेट स्टेडियम होगा जिसका संचालन बीसीसीआई (बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया) करेगा। लांग टर्म लीज तहत वह हर साल इसके एवज में एक तय रकम भी सरकार को देगा। करीब 31 एकड़ के विस्तृत परिसर पर में बन रहे इस स्टेडियम के निर्माण में करीब 350 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसकी सिटिंग कैपिसिटी (बैठने की या दर्शक क्षमता) 30 हजार होगी। काशी का यह स्टेडियम पूर्वांचल ही नहीं सटे हुए बिहार, मध्य प्रदेश (एमपी), छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का बेहतरीन केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि वाराणसी में वर्ल्ड क्लास क्रिकेट स्टेडियम का प्रस्ताव पहले से था। समस्या जमीन की थी। पूरी प्रक्रिया में सितंबर 2022 से तेजी आयी। जमीन की खरीद के लिए 120 करोड़ रुपये का बजट कैबिनेट से मंजूर होने के बाद करीब 31 काश्तकारों से जमीन खरीदी गयी। सरकार की ओर से जमीन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) को सौंपी जा चुकी है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में देश की सबसे नामचीन संस्थाओं में से एक लार्सन एंड टुब्रो (एलएनटी) को इसकी कार्यदायी संस्था बनाया गया है। डिजाइन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डिजाइन/नक्शे पर अंतिम निर्णय होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

आयरलैंड नहीं खेलेगा वनडे वर्ल्ड कप

क्वालीफायर में सभी मैच हारे, श्रीलंका-स्कॉटलैंड के साथ ओमान सुपर-6 में पहुंचा

बुलवायो, जिम्बाब्वे, 26 जून। श्रीलंका ने एक छोर पर लगातार विकेट भी गंवाए और टीम 49.5 ओवर में 325 रन पर ऑलआउट भी हो गई। आयरलैंड से मार्क अडायर ने 4 और बैरी मैकार्थी ने 3 विकेट लिए। गारेथ डिलेनी को 2 विकेट मिले, वहीं एक बैटर रनआउट हुआ।

326 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 21 रन पर ही ओपनर पॉल स्टर्लिंग का विकेट गंवा दिया। 39 रन के स्कोर पर एंडी मैक्ब्राइन भी आउट हो गए। 58 रन के स्कोर तक टीम ने कप्तान एंडी बालबर्नी और लॉर्कन टकर के विकेट भी गंवा दिए।

4 विकेट गिरने के बाद हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर ने आयरलैंड की पारी संभाली। लेकिन टूर्नामेंट के टॉप-विकेट टेकर वनिंदु हसरंगा ने विकेट लेने जारी रखे। उन्होंने पहले टेक्टर को किया, फिर बाकी बैटर्स को भी पवेलियन भेज दिया। टेक्टर के विकेट के बाद कैम्फर पर भी

दबाव आया और वह महीश तीक्षणा का शिकार हो गए।

क्वालिफायर के लगातार तीसरे मैच में हसरंगा ने 5 विकेट लिए और आयरलैंड की टीम 192 रन पर ऑलआउट हो गई। हसरंगा के अलावा महीश तीक्षणा को 2 विकेट मिले। वहीं कसून रजिथा, लहिरु कुमारा और दसुन शनाका को 1-1 विकेट मिला। रविवार के एक अन्य मुकाबले में स्कॉटलैंड ने ओमान को हरा दिया। बुलवायो एथलेटिक क्लब के मैदान पर ओमान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। स्कॉटलैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में क्रिस्टोफर मैक्ब्राइड का विकेट गंवा दिया। मैक्ब्राइड अपना खाता भी नहीं खोल सके।

पहले ही ओवर में विकेट गंवाने के बाद ओपनर मैथ्यू क्रॉस ने ब्रेंडन मैक्मुलेन के साथ पारी संभाली। दोनों ने 82 रन की पार्टनरशिप की। क्रॉस 27 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद उतरे कप्तान रिची बैरिंगटन ने 60 रन बनाए और मैक्मुलेन के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। बैरिंगटन के आउट होने के बाद मैक्मुलेन भी सेंचुरी बनाकर आउट हो गए। वह 121 बॉल पर 136 रन बनाकर आउट हुए।

बैरिंगटन और मैक्मुलेन के बाद टोमास मैकइंटोस ने 32 और मार्क वॉट ने 25 रन बनाकर टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचा दिया। टीम का आखिरी बैटर एड्रियन नील 50वें ओवर की आखिरी बॉल पर रनआउट हुआ। ओमान से बिलाल खान ने 5 विकेट लिए और स्कॉटलैंड ने 320 रन बना दिए।

झूलन गोस्वामी एमसीसी व्लर्ड क्रिकेट कमेटी में शामिल

इंग्लैंड की हीथर नाइट और ओएन मोर्गन के भी नाम, लॉर्ड्स में होगी बैठक

लंदन, 26 जून। दिग्गज भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी और इंग्लैंड के दो खिलाड़ी हीथर नाइट और पूर्व कप्तान ओएन मोर्गन वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी (डब्ल्यूसीसी) की लॉर्ड्स में होने वाली बैठक से पहले शामिल किए गए हैं। क्लब ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मीटिंग आने वाले सोमवार और मंगलवार को एशेज टेस्ट मैच के पहले होगी।

क्रिकेट के नियम बनाती है और समय-समय पर इसमें भी बदलाव भी करती है। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब आज से साल 1787 में अस्तित्व में आया था। इसका हेडक्वार्टर इंग्लैंड का लॉर्ड्स मैदान में है। के आने से पहले के नियमों पर ही क्रिकेट खेला जाता था। आज भी के नियमों पर ही चलता है। अभी भी क्रिकेट के नियम बनाता है, लेकिन वे से हो कर ही गुजरते है।

विमेंस क्रिकेट में सबसे तेज बॉलर्स में से एक मानी जाने वाली गोस्वामी ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, उन्होंने आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। अप्रैल 2023 में गोस्वामी को ने ऑनरी लाइफ मेंबर बनाया था। गोस्वामी के में आने पर कमेटी के माइक गेटिंग ने कहा कि, मॉर्गन, गोस्वामी और नाईट के आने से हम खुश है। इस सभी प्लेयर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना नाम बनाया है। इन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट की समझ है। इसका कमेटी को फायदा होगा।

टेबल टेनिस : सुतिर्था और अयहिका ने रचा इतिहास

इस साल पहला डब्ल्यूटीटी कंटेंडर जीता, विमेंस डबल के फाइनल में जापानी जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, 26 जून। भारतीय पैडलर सुतिर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने (डब्ल्यूटीटी) वर्ल्ड टेबल टेनिस कंटेंडर की विमेंस डबल्स कैटेगरी का खिताब जीत लिया है। इस जोड़ी ने जापान की मियु किहारा और मिवा हारीमोटो को 3-1 (11-5,11-6,5-11,13-11) से हराया। भारतीय जोड़ी ने साल का पहला कंटेंडर जीता है। इंडियन पेयर ने पहली बार इस टूर्नामेंट की विमेंस डबल कैटेगरी का टाइटल जीता है। यह प्रतियोगिता ट्विनीशिया में चल रही है। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने लगातार दो गेम जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त ले ली, तभी जापानी खिलाड़ियों ने तीसरा गेम 11-5 से जीतते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। फिर भारतीय खिलाड़ियों ने चौथा गेम 13-11 से जीतते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुतिर्था-अयहिका की जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले में नंबर-1 सीड शिन युबिन और जियोन जिही की कोरियाई जोड़ी को 3-2 (7-11 11-9 11-9 7-11 11-9) से हराया। मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में मनिका बत्रा और जी साथियान की भारतीय जोड़ी के अलावा मानव ठक्कर और मानुष शाह की पुरुष युगल जोड़ी को अपने-अपने सेमीफाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले बत्रा और साथियन की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल ने सेड्रिक मीस्नर और युआन वान की जर्मन जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराया था। मेंस सिंगल्स में अचंता सरथ कमल और साथियान पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। विमेंस सिंगल्स में भी भारत का कैंपेन समाप्त हो गया क्योंकि अयहिका मुखर्जी को राउंड 16 में जापान की मियू नागासाकी से 0-3 (5-11 9-11 10-12) से हार का सामना करना पड़ा। बत्रा, श्रीजा अकुला और दीया चितले फर्स्ट राउंड से आगे बढ़ने में नाकाम रहे थे। मेंस सिंगल्स में हरमीत देसाई को शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग यानिंग के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन ने 2019 में वर्ल्ड टेबल टेनिस ऑर्गेनाइजेशन बनाया था। यह वर्ल्ड टूर से इतर एक कॉमर्शियल टूर्नामेंट है। इसका पहला संस्करण नवंबर-2020 में मकाओ (चीन) में आयोजित किया गया था। यह नियम और प्राइज मनी के लिहाज से वर्ल्ड टूर से अलग है। के 4 टूर्नामेंट होते है। पहला- ग्रैंड स्मैश, दूसरा- सीरीज, तीसरा- चैंपियंस सीरीज और चौथा- कंटेंडर। ग्रैंड स्मैश में टॉप प्लेयर्स खेलते है, जबकि सीरीज अलग-अलग जगह पब्लिक स्पेस (बार, पार्क या गली) में खेली जाती है, वहीं चैंपियंस सीरीज में दुनियाभर के 32 पैडलर अलग-अलग कैटेगरी में हिस्सा लेते है। साथ ही कंटेंडर में सभी प्रोफेशनल एथलिट को खेलने का मौका मिलता है।

शतरंज से शांत रहने में मिलती है मदद : चहल

दुबई, 26 जून। भारतीय लेग-स्पिनर और पूर्व अंडर-12 राष्ट्रीय शतरंज चैंपियन युज़वेंद्र चहल ने भले ही पेशेवर तौर पर शतरंज का दामन छोड़ दिया हो, लेकिन इस खेल से मिला धैर्य क्रिकेट में उनके बहुत काम आया है। ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) की टीम एसजी एल्पाइन वॉरियर्स के अंबैसडर चहल ने कहा, मुझे मेरी पहली जर्सी शतरंज के ज़रिये ही मिली। मैंने बीते वर्षों में इस खेल से धैर्य सीखा है। इससे मुझे क्रिकेट में भी मदद मिलती है क्योंकि कभी-कभी अच्छी गेंदबाजी के बाद भी मुझे विकेट नहीं मिलता। ऐसे समय पर धैर्य बेहद काम आता है।

टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के संयुक्त प्रयास से आयोजित जीसीएल को मैगनस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद जैसे पूर्व विश्व चैंपियनों से वाहवाही मिली है। इस टूर्नामेंट का पहला सीजन दुबई में 21 जून को शुरू हुआ और इसका समापन दो जुलाई को होगा। चहल ने जीसीएल के टीम प्रारूप की तारीफ करते हुए कहा कि यह शतरंज का आईपीएल है।

रॉबिन्सन को चुप रहने की जरूरत है : क्लार्क

लंदन, 26 जून। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने एशेज़ टेस्ट शृंखला के विवादों पर आग में घी डालते हुए कहा है कि इंग्लैंड के गेंदबाज़ ओली रॉबिन्सन को 'चुप रहने' और विकेट लेने पर ध्यान देने की ज़रूरत है। क्लार्क ने स्काई स्पोर्ट्स के कार्यक्रम बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर कहा, उसे (रॉबिन्सन को) चुप रहने की ज़रूरत है। अगर इंग्लैंड के सभी खिलाड़ी फिट होते तो ओली को टीम में जगह भी नहीं मिलती।

पहलवानों का बृजभूषण के खिलाफ आंदोलन खत्म करने का ऐलान

साक्षी-विनेश और बजरंग बोले- अब लड़ाई सड़कों पर नहीं, कोर्ट में लड़ेंगे

पानीपत, 26 जून। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने आंदोलन खत्म कर दिया है। महिला पहलवान साक्षी मालिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने रविवार देर रात ऐलान किया। इनका कहना है कि अब अपनी लड़ाई सड़क पर नहीं, अदालत में लड़ी जाएगी। ये तब तक जारी रहेगी, जब तक न्याय नहीं मिल जाता।

साक्षी ने लिखा, सरकार के साथ 7 जून को बातचीत हुई। सरकार ने पहलवानों के साथ किए वादे पर अमल करते हुए महिला कुश्ती खिलाड़ियों की और से महिला उत्पीड़न और यौन शोषण के संबंध में की गई शिकायतों पर दर्ज की। दिल्ली पुलिस ने जांच पूरी करके 15 जून को कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। इस केस में पहलवानों की कानूनी लड़ाई सड़क की जगह कोर्ट में जारी रहेगी। कुश्ती संघ के सुधार के संबंध में नई कुश्ती संघ के चुनाव की प्रक्रिया वादे के अनुसार शुरू हो गई है। चुनाव 11 जुलाई को होना तय है। सरकार ने जो वादे किए हैं, उस पर अमल होने का इंतजार रहेगा।

विनेश फोगाट अगले महीने बुडापेस्ट में पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल प्रतियोगिता में भाग लेंगी। विनेश को उनकी पसंद के कोच और फिजियो भी दिए गए हैं। बुडापेस्ट इवेंट कुश्ती साल की चौथी और आखिरी रैंकिंग सीरीज है। एडहॉक कमेटी और सरकार के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में विनेश के नाम को मंजूरी दी गई, जिससे 10 महीने बाद अब उनकी मैट पर वापसी हो रही है। एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप पर भारत की नजर हमेशा से रहती है।

जी.एस.एस. से ग्राम पंचायत नाईयों की बस्ती क्षेत्र में 24 घंटे बिजली मिलेगी : भाटी

बीकानेर, (कासं)। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए विभाग निरन्तर प्रयास कर रहा है। ऊर्जा मंत्री भाटी सोमवार को ग्राम पंचायत नाईयों की बस्ती के नवीन 33/11 जीएसएस के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इसके निर्माण पर 1.62 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इस जीएसएस पर 1.62 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इससे 4 फीडर निकलेंगे, जिनमें से तीन फीडर एग्रीकल्चर तथा एक फीडर गांव का 24 घंटे का होगा। 24 घंटे के फीडर से नाईयों की बस्ती और सालासर के विद्युत उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी की पेयजल स्कीम व घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को इसका लाभ होगा तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। जो फ्यूज ओवरलोड से जल जाते थे, उसमें कमी आयेगी। इसका फायदा केवल नाईयों की बस्ती ही नहीं मेघासर के किसानों को भी मिलेगा।

इसके निर्माण के बाद फीडरों की लम्बाई छोटी हो जायेगी, जिससे गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नाईयों की बस्ती में कुछ समय पहले नवीन जीएसएस स्वीकृत किया गया था। जिसका आज शिलान्यास हुआ है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद ग्राम पंचायत नाईयों की बस्ती और उसके आसपास के क्षेत्र में बिजली की समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि यहां की जीएसएस की मांग को आज पूरा किया गया है और इसकी आवश्यकता भी बहुत थी। वोल्टेज की समस्या से फसलें खराब हो रही थी। इसके बन जाने के बाद कृषि कुओं और घरेलू विद्युत आपूर्ति में गुणात्मक सुधार होगा।

ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी (बीच में) ने ग्राम पंचायत नाईयों की बस्ती में जी.एस.एस. का शिलान्यास किया।

- इस जीएसएस पर 1.62 करोड़ रूपये खर्च होंगे
- इससे 4 फीडर निकलेंगे, जिनमें से तीन फीडर एग्रीकल्चर तथा एक फीडर गांव का 24 घंटे का होगा

उन्होंने जीएसएस के शिलान्यास की ग्राम वासियों को बधाई दी और कहा कि बिजली का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। आज बिजली के बिना कोई भी काम संभव नहीं। इसके तैयार हो जाने के बाद आस-पास के गांवों को वोल्टेज के साथ विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। उन्होंने एलएनटी कम्पनी के अधिकारियों को इसका कार्य शीघ्र करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्युत सुधार के लिए जिले में और जीएसएस बनेंगे।

उन्होंने कहा कि नाईयों की बस्ती ग्राम पंचायत के विकास कार्य करवाए गए हैं। इसे पहले नई ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया। पहले यह चाण्डासर पंचायत के अधीन थी। उन्होंने बताया कि इसका भवन बन चुका है। यहां के विद्यार्थियों को अब 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त करने लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि यहां की पेयजल की समस्या का समाधान के लिए एक नया ट्यूबवैल स्वीकृत हुआ है, जो शीघ्र बनकर तैयार होगा।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र कोलायत के विभिन्न विकास कार्यों के लिए विधायक निधि कोष से राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि इस ग्राम पंचायत के सालासर गांव में अम्बेडकर भवन के निर्माण के लिए विधायक निधि कोष से 15 लाख रूपये स्वीकृत किए गए हैं। यह भवन शीघ्र ही बनकर तैयार हो जायेगा। उन्होंने गांव सालासर में उप स्वास्थ्य केन्द्र और एक स्कूल की मांग पर कहा कि सालासर में उप स्वास्थ्य केन्द्र हाल ही में स्वीकृत हो चुका है। उन्होंने ग्राम पंचायत को उप स्वास्थ्य केन्द्र के लिए जमीन का पट्टा देने को कहा।

घर से जेवर और नकदी चोरी

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के नोहर क्षेत्र में छत के रास्ते घर में घुसकर चोर नकदी, सोने-चांदी के जेवरात और शादी की वीडियो फोटो की पेन ड्राइव चोरी कर ले गया।

नोहर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नोहर थानाधिकारी धर्मपाल सिंह ने बताया कि कृष्ण चन्द्र (59) पुत्र नन्दराम जाट निवासी किकराली हाल सेक्टर 5 नोहर जिला हनुमानगढ़ ने थाने में आकर रिपोर्ट दी कि वो नोहर के सेक्टर 5 में अपने जानकार नरसीराम के मकान में परिवार सहित रहता है। रात में परिवादी कृष्ण चन्द्र और परिवार के सदस्य खाना खाने के बाद कमरे में सो गए। रात के किसी समय कृष्णचन्द्र के किराये के मकान में एक व्यक्ति छत के रास्ते से घर में अवैध रूप से घुसकर दूसरे कमरे में रखी अलमारी खोलकर उसमें से 15 हजार रुपये नकदी, 3 सोने की बिन्टी, जिसमें दो जनाना एक जेन्ट्स, एक सोने का नाक की नॉजपीन, एक चांदी की पायजेब, चार चांदी के घुंघरू, एक शादी की फोटोज, वीडियो की पेन ड्राइव चोरी कर ले गया।

सुबह उठकर देखा तो अलमारी में सामान बिखरा पड़ा था। संभाल करने पर सामान चोरी करना पाया गया। परिवादी कृष्णचन्द्र ने पुलिस को बताया कि जब उसने सीसीटीवी कैमरा फुटेज देखे और इधर-उधर तलाश करने पर पता चला कि वशीम पुत्र असलम निवारिया निवासी वार्ड 10 कब्रिस्तान के पास नोहर ही उनके घर से सामान चोरी कर ले गया।

सार-समाचार

कानासर में शिविर का निरीक्षण किया

कानासर में आपदा प्रबंधन मंत्री गोविन्द राम मेघवाल ने महंगाई राहत शिविर का निरीक्षण किया।

बीकानेर, (कासं)। आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने सोमवार को खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कानासर में प्रशासन गांवों के संग और महंगाई राहत शिविर का निरीक्षण किया। आपदा प्रबंधन मंत्री ने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड सौंपे और प्रशासन गांवों के संग के विभिन्न विभागों के स्टॉल्स का भी अवलोकन किया। आपदा प्रबंधन मंत्री ने गोद भराई, अन्नप्राशन और बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने भी कानासर में आयोजित शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने शिविर के कार्यों की समीक्षा की और प्रत्येक समस्या का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी दी और मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड भी वितरित किए। उन्होंने बचे हुए शिविरों में पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। स्टॉल्स का निरीक्षण किया। महंगाई राहत कैम्प, प्रशासन शहरों के संग तथा प्रशासन गांव के संग अभियान के तहत मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित होंगे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

बीकानेर, (कासं)। योगी रामनाथ महाराज के सानिध्य में गोरख धोरा भीनासर श्रीमद्भागवत कथा का प्रारंभ आज कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ। आयोजन से जुड़े मिलन गहलोत ने बताया कि कलश यात्रा आज सुबह गोरख धोरा से प्रारंभ हुई। कुम्हारों का मोहल्ला, अमरपुरा बास, मालियों का मोहल्ला, मुरली मनोहर मंदिर, मुरली मनोहर गौशाला से मुख्य रोड भीनासर, जवाहर विद्यापीठ से होते हुए गंगाशहर चौराहा सुजानदेसर रोड से होते हुए भाटियों का मोहल्ला से होते हुए गोरख धोरे पर पहुंची। वहां आरती के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं थी। सभी ने मिट्टी के बने कलश उसके ऊपर नारियल रख करके पूरे रास्ते कीर्तन करती चल रही थी। यात्रा में सबसे आगे डीजे पर हरिनाम कीर्तन चल रहा था। सभी संत अपने अलग-अलग वाहन व रथ पर बिराज रहे थे। संत महात्माओं में महामंडलेश्वर सरजू दास महाराज, राजूनाथ महाराज कोठारी, योगी रामचंद्र महाराज, दीपक नाथ आदि उपस्थित थे। कलश यात्रा का जगह-जगह पर पुष्पवर्षा से स्वागत किया।

शिक्षकों ने पौधारोपण किया

रा.उ.मा.वि. पवनपुरी दक्षिण विस्तार के परिसर की वाटिका में शिक्षकों ने पौधारोपण किया।

बीकानेर, (कासं)। राउमावि पवनपुरी दक्षिण विस्तार बीकानेर के विद्यालय परिसर की वाटिका में तथा परिसर के बाहर सोमवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में गुलाब, मीठा नीम, अमरूद, तुलसी, मोगरा, चमेली के पौधे लगाते हुए इन पौधों को वृट वृक्ष बनाने का संकल्प शिक्षकों द्वारा लिया गया तथा साथ ही दो बड़े पाम के पेड़ भी लगाये गये। इस अवसर पर पार्षद पुनीत कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यालय परिवार द्वारा किया जा रहा पौधारोपण व पेड़ लगाने का कार्यक्रम सराहनीय है। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। दो बड़े पाम के पेड़ पर्यावरण प्रेमी शंकरलाल मोदी तथा पौधे बसन्त कुमारी शर्मा द्वारा उपलब्ध करवाये गये।

दलित युवती से गैंगरेप का मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में दलित युवती के साथ गैंगरेप और फिर हत्या के मामले में मुख्य अभियुक्त करीब एक सप्ताह बाद भी पुलिस के हाथ नहीं लगा। दरअसल अभियुक्त पुलिस कर्मियों के साथ ही दिन गुजारता था। ऐसे में उसे पुलिस से बचने के तरीके भी पता है। न तो उसकी लाइव लोकेशन पुलिस को मिल रही है। न ही उसने परिजनों से संपर्क किया है। ऐसे में घटना के छह दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली है।

दरअसल घटना वाले दिन 19 जून को दोपहर बारह बजे के बाद भी आरोपी दिनेश बिश्नोई का मोबाइल ऑन था। दलित युवती की मौत के बाद उसे समझ आ गया कि अब खाजूवाला में रहना उसके लिए मुश्किल हो सकता है। ऐसे में उसने तुरंत खाजूवाला छोड़ दिया। करीब दो-तीन घंटे तक उसका मोबाइल ऑन रहा, लेकिन बाद में बंद हो गया। सूत्रों की माने तो अब तक की जांच में सामने आया कि वो बीकानेर शहर से होकर निकला था, लेकिन इसके बाद मोबाइल ऑफ हो गया। उसकी अंतिम लोकेशन भी करीब छह दिन पुरानी है। ऐसे में अब इस लोकेशन के आधार पर वो पकड़ में नहीं आ रहा।

- मुख्य आरोपी दिनेश बिश्नोई का फोन बंद, परिवार से भी नहीं कर रहा बात
- आखिरी लोकेशन भी छह दिन पुरानी

दिनेश बिश्नोई पुलिस के हाथ नहीं लग रहा। यहां तक कि कोई लिंक भी पुलिस के हाथ नहीं लग रहा है। इसीलिए आईजी बीकानेर ने ईनामी राशि बढ़ाई गई है। पहले तो पच्चीस हजार का पुरस्कार रखा गया। इसके बाद भी कोई इनपुट नहीं मिला तो इसे बढ़ाकर 40 हजार रूपये कर दिया गया। इसके बाद भी कोई इनपुट पुलिस के हाथ नहीं आया। उधर पुलिस ने दिनेश बिश्नोई के पिता ओमप्रकाश को हिरासत में ले रखा है। सोचा कि पिता के कारण दबाव में आकर दिनेश आत्म समर्पण कर देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद ओमप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया। उस पर आरोप है कि दिनेश को भगाने में उसका योगदान रहा है। उसे अदालत में पेश करके रिमांड भी लिया गया है। हालांकि इससे भी पुलिस को कोई इनपुट नहीं मिल पाया।

पुलिस बीकानेर के अलावा राजस्थान के कई शहरों में दिनेश बिश्नोई की तलाश कर रही है। न सिर्फ राजस्थान बल्कि पंजाब, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश सहित कई पड़ौसी राज्यों में पहुंचकर पुलिस दिनेश का पता लगा रही है। यहां तक कि उसके नेपाल भागने की आशंका है। पुलिस उसका पीछा हर स्तर पर कर रही है। पुलिस की 7 टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं।

खाजूवाला थाने में पहले पदस्थापित रहे पुलिस अधिकारियों और निरीक्षकों से भी सहयोग लिया जा रहा है। उनके लोकल संपर्क के आधार पर पुलिस मुखबिर तैयार कर रही है। ताकि पता चल सके कि वो कहां जा सकता है। दिनेश के एक-एक रिश्तेदार पर नजर रखी जा रही है।

साहित्यकार ममता विद्यार्थियों से रूबरू

बीकानेर, (कासं)। जयनारायण व्यास कॉलोनी स्थित आरएसवी उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज विद्यार्थियों से ख्यातनाम साहित्यकार ममता कालिया रूबरू हुई।

विद्यार्थियों से अपने अनुभव को साझा करते हुए ममता कालिया ने विद्यार्थियों से साहित्य समाज और विद्यार्थी विषय पर चर्चा की। विद्यार्थी साहित्य को अवश्य पढ़ें जब भी जीवन में कोई बोरियत हो तो कोई अच्छी पुस्तक पढ़ें। इससे आपको सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। साहित्य आपको निर्मल और सरल बनाता है। अपने घर में अपनी पुस्तकों को सुंदर रूप से रखें यह आपको अवश्य प्रेरित करेंगी। चाहे वह आपकी टेबल का एक कोना ही क्यों ना हो। विद्यार्थी यदि जीवन में डायरी लिखने की आदत डालते हैं तो यह आदत उनके जीवन में अद्भुत परिवर्तन ला सकती है। किसी भी विद्यार्थी के लिए भविष्य में पैसा कमाना कोई मुश्किल काम नहीं है परंतु अच्छा इंसान बनने का सबसे सही समय विद्यार्थी जीवन ही है जो आदतें और संस्कार आपके जीवन में घर कर गए। वहीं संपूर्ण जीवन में आपके मार्ग को प्रशस्त करेंगे।

घरों की नींव में पहुंचा बरसाती पानी

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर के सौ फीट रोड के पास वार्ड 47 के इलाके में देर रात आई बरसात का पानी घरों की नींव में पहुंच गया। इससे इन घरों के नीचे की तरफ गड्ढे बन गए और इनके गिरने की आशंका हो गई।

लोगों का कहना है कि सीवरेज कंपनी ने यहां सड़क और चैम्बर बनाते समय लापरवाही बरती और अच्छे से सड़क बनाने का काम नहीं किया। वहीं कंपनी के प्रतिनिधियों ने इसे खराब नाली निर्माण का नतीजा बताया। सीवरेज कंपनी का कहना है कि घरों को पहुंचे नुकसान में कंपनी की कोई गलती नहीं है। लोगों ने जो नालियां बनवा रखी थी। इसी में से पानी रिसकर घरों की नींव में पहुंचा है। इस बीच घरों की नींव में पानी पहुंचने से मकान मालिकों को नुकसान की आशंका सताती रही।

देर रात बरसात के बाद वार्ड 47 के लोग जब उठे तो उन्हें घरों के बाहर गड्ढे और जमीन धंसी हुई मिली। उन्होंने तुरंत इस बारे में पार्षद कृष्ण कुमार को सूचना दी। कृष्ण कुमार ने इस बारे में यूआईटी को सूचित किया। दोपहर बाद सीवरेज निर्माण कंपनी के अधिकारियों ने भी मौका मुआयना किया। लोगों का कहना था कि सीवरेज कंपनी के पूरी तरह ध्यान नहीं देने के कारण मकानों की नींव में पानी बैठ गया।

- सीवरेज कंपनी की गलती, कंपनी ने कहा नाली से रिसा पानी

सीवरेज कंपनी ने सड़क सही तरीके से नहीं बनवाई। इसी कारण मकानों को नुकसान हुआ है। अमित अग्रवाल का कहना था सीवरेज कंपनी ने पूरी तरह ध्यान दिया होता तो मकानों को यह नुकसान नहीं होता। वहीं भवानी का कहना था कि उनके घरों को पानी लग जाने से काफी नुकसान हुआ है। इलाके की महिलाओं का कहना था कि पार्षद को सूचना दे दी गई लेकिन अब तक रिपेयरिंग नहीं हुई है। जहां एक ओर लोगों का आरोप था कि सीवरेज कंपनी के सही तरीके से सड़क नहीं बनाने और इसमें नीचे खोखली जगह छोड़ देने से नुकसान हुआ है। साइट इंचार्ज इसे कंपनी की गलती नहीं मानते।

ससुराल में सीढ़ियों से फिसलने से दामाद की मौत

श्रीगंगानगर,(कासं)। पंजाब निवासी एक युवक की श्रीगंगानगर ससुराल में हादसे के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। जवाहर नगर पुलिस ने मृतक के साले की तरफ से दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की है।

जवाहर नगर थाना के कार्यवाहक एसएचओ चंद्रभान चौधरी ने बताया कि फरीदकोट जिले के बठिंडा मोड़ जैतों निवासी 31 वर्षीय विक्की धानक श्रीगंगानगर में गुरूनानक बस्ती स्थित ससुराल अपनी पत्नी तथा दोनों बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद लेने आया था। उसे ट्रेन पर वापस जाना था। रात को खाना खाने के बाद मकान की दूसरी मंजिल की छत पर सो गया। किसी समय लघु शंका के लिए उठकर जीर्ण शीर्ण सीढियों से नीचे उतर रहा था कि पैर फिसल जाने से नीचे गिर गया। इससे उसके सिर में गंभीर चोट लगी। उसे परिवार के सदस्य तुरंत ही अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो सामने आया कि दूसरी मंजिल की छत तक जाने को सीढियां काफी खड़ी हुई लगी हैं और उनकी हालत भी अच्छी नहीं है। इस कारण रात के अंधेरे में यह हादसा हुआ और युवा लड़के की मौत हो गई।

तीन किलो डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। पुलिस ने 2 किलो 975 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने रविवार को टीम द्वारा गश्त व चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान जेगला निवासी राजेन्द्र बिश्नोई से रोककर पूछताछ की गई। तलाशी में 2 किलो 975 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त बरामद किया गया। इस पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

शहर के प्रमुख पार्कों एवं चौराहों का रखरखाव करेंगी संस्थाएं

बीकानेर, (कासं)। शहर के प्रमुख पार्क एवं चौराहे विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा रख-रखाव की दृष्टि से गोद दिए जायेंगे। इसके लिए नगर विकास न्यास द्वारा इन संस्थाओं के साथ शर्तों पर आधारित एमओयू किया जायेगा।

जिला कलेक्टर एवं न्यास अध्यक्ष भगवती प्रसाद कलाल ने सोमवार को शहर की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पब्लिक पार्क सहित शहर के प्रमुख सार्वजनिक पार्क तथा सर्किल्स का प्रशासन द्वारा समय-समय पर जीर्णोद्धार एवं रखरखाव किया जाता है। इसके नियमित देखरेख में जन भागीदारी भी हो, इसके मद्देनजर न्यास द्वारा यह एमओयू किए जाएंगे। उन्होंने सभी संस्थाओं को एक सप्ताह में रख-रखाव संबंधी प्रस्ताव उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। वहीं न्यास के अधिकारियों को सौंदर्यकरण और रखखाव संबंधित कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

- इन संस्थाओं के साथ एमओयू किया जाएगा

इस दौरान तुलसी सर्किल के पास 'फ्लावर पाथ' विकसित करते हुए यहां विभिन्न प्रजातियों के फूलों के पौधे लगाने, टॉय ट्रेन पार्क को चालू करने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान नगर विकास न्यास सचिव यशपाल आहूजा, वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष डॉ. एस.एन. हर्ष, समाजसेवी नरेश चुग, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष डी.पी. पच्चीसिया, लीड बैंक मैनेजर वाई.एन. व्यास, मुक्ति संस्थान के हीरालाल हर्ष आदि मौजूद थे।

प्रवेश के लिए नामांकन से वंचित बच्चों का डोर टू डोर सर्वे जल्द पूरा करवाएं : कलाल

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि जिले में नामांकन से वंचित बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए डोर टू डोर सर्वे जल्द पूरा करवाएं।

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग प्रवेशोत्सव के दौरान स्कूल से वंचित बच्चों का चिन्हीकरण करवाते हुए नामांकन से वंचित समस्त बच्चों को स्कूल में पंजीकृत करवाना सुनिश्चित करें। आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी नामांकन के लिए इस संबंध में सर्वे किया जाए तथा पात्र बच्चों को पंजीकृत करवाएं।

जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना में दूध वितरण, स्मार्ट टीवी की स्टडी रिपोर्ट सहित विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की। भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि स्टार मार्क, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग सहित महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट 3 दिन में भिजवाई जाए। यदि 7 दिन में संबंधित विभाग द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो संबंधित डीएलओ को रिपोर्ट लेकर व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होना होगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि अवैध खनन को रोकने के लिए समस्त माइंस को म्यूटेशन में दर्ज किया जाए तथा क्षेत्र से बाहर खनन कर रहे माइंस के संबंध में सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिला कलेक्टर ने सिलिकोसिस की पेंडेंसी प्राथमिकता से खत्म करने के निर्देश दिए।

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल (बायें) ने अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

- कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए

उन्होंने कहा कि संबंधित श्रमिकों को स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्ट के लिए आयोजित होने वाले शिविर की समय पर सूचना भिजवाई जाए। बैठक में आंगनबाड़ी के रिक्त पदों को जल्द करवाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पोषाहार वितरण, उड़ान योजना के तहत सेनेटरी नैपकिन वितरण सहित विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की गई।

इस दौरान कृषि, कृषि विपणन, पशुपालन सांख्यिकी, आयोजना विभाग सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी यक्ष चौधरी भी मौजूद थे।

सीकर की आर.के. गैंग के बदमाश श्रीगंगानगर से गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। यहां लालगढ़ जाटान थाना क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने आये सीकर की आर. के. गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। तीन बदमाश सीकर, झुंझुनूं और दो श्रीगंगानगर के रहने वाले हैं। गैंग का मुखिया रविन्द्र कटेवा झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर और कुख्यात बदमाश है। वह कई दिन से फरार था। उस पर हत्या, लूट, हत्या के प्रयास, डकैती, मारपीट, आर्म्स एक्ट, डकैती की योजना बनाने सहित कई मामले दर्ज है।

लालगढ़ जाटान एसएचओ परमेश्वर सुथार को इलाके में कुछ लोगों के डकैती की योजना बनाने की जानकारी मिली। इस पर कार्रवाई कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार पांच लोगों में झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाने का हिस्ट्रशीटर रविन्द्र कटेवा पुत्र राजेंद्र कटेवा शामिल है। वह खिरोड़ ग्राम पंचायत के केमरी की ढाणी का रहने वाला है।

उसके साथ सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के रोटू बड़ी के रहने वाले सुनील कुमार (27) पुत्र शीशराम ढाका को भी गिरफ्तार किया गया है। सुनील सीकर के एनएसयूआई अध्यक्ष की हत्या के मामले में लिप्त रहा है। उस पर चोरी, हत्या और मारपीट के मामले दर्ज है। वह सीकर के उद्योग नगर और दादिया थाना क्षेत्र में फिरौती और मारपीट के मामलों में फरार चल रहा है।

श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र के गुरुनानक बस्ती के रहने वाले नीरज पुत्र राजू उर्फ राजकुमार, श्रीगंगानगर के अशोकनगर बी जनता कॉलोनी के रहने वाले यश गुप्ता और सीकर के बलारा का रहने वाला अनिल भार्गव को भी गिरफ्तार किया। इनके पास से एक पिस्टल, तीन कारतूस, एक कापा, एक तलवार, चार डंडे, मिर्ची पाउडर और जीप मिले हैं।

दो साथी मौके से भागने में कामयाब हो गए। इनमें झुंझुनूं जिले के मुकंदगढ़ थाना क्षेत्र के बलरिया निवासी मनोज पुत्र सुरेंद्र सिंह और सीकर जिले के बलारा थाना क्षेत्र के चलका की ढाणी निवासी सुरेंद्र चलका शामिल हैं।

आम सूचना

हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सुन्दरलाल पुत्र श्री रामसुख छींपा निवासी खारिये कुए के पास, छीपों का मोहल्ला, रानी बाजार, बीकानेर का पुत्र मनोज छींपा एवं उसकी पत्नी राधा देवी मेरे मुवक्किल के कहने में नहीं है तथा सन् 2007 से मेरे मुवक्किल से अलग रिहायश कर रहे है एवं मेरे मुवक्किल से किसी भी प्रकार का सम्पर्क नहीं रखते है ना ही मेरे मुवक्किल के कहने में है। इसलिए मेरा मुवक्किल अपनी समस्त चल व अचल सम्पतियों से अपने पुत्र मनोज छींपा एवं पुत्रवधु राधा देवी को बेदखल करता है। यदि मेरे मुवक्किल के पुत्र मनोज छींपा एवं पुत्रवधु राधा देवी से कोई भी व्यक्ति संव्यवहार करता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उस शख्स स्वयं की होगी उसके लिए मेरे मुवक्किल कत्तई उत्तरदायी नहीं होगा। यह आम सूचना दिनांक 27.06.2023मेरे हस्ताक्षरों द्वारा बमुकाम बीकानेर में जारी की गयी।

(सुनील कुमार देवड़ा)
एडवोकेट

'मंत्री धारीवाल ने 45 करोड़ रू. की बेशकीमती जमीन कोटा निवासी अपने चहेते को 6 करोड़ रू. में आवंटित की थी'

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के इन आरोपों के बाद अब आर.जी. मैमोरियल एजुकेशन सोसायटी को आवंटित 2377 वर्गमीटर भूमि का आवंटन रद्द करने की तैयारी शुरू हो गई है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जून। राजधानी जयपुर के प्रताप नगर की हाई प्रोफाइल स्कीम 'राज आंगन' में आर.जी. मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी को दी गई 23277.36 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन रद्द करने की तैयारी शुरू हो गई है।

इस संस्था ने कौशल विकास संस्थान बनाने के नाम पर 12 जून 2020 को राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड से यह बेशकीमती भूमि आवंटित करवाई थी, लेकिन इस पर अब प्ले स्कूल बनाने की तैयारी थी, इसके लिए बाकायदा नक्शे तक पेश कर दिए गए थे। जबकि, आवंटन के समय हाऊसिंग बोर्ड ने शर्त रखी थी कि 2 वर्ष के भीतर इस भूमि पर कौशल विकास संस्थान का निर्माण पूर्ण कर लिया जाये, लेकिन आज तक ऐसा कोई निर्माण मौके पर नहीं हुआ।

- **मजेदार बात यह भी है कि, राजधानी जयपुर के प्रताप नगर की पॉश स्कीम ''राज आंगन'' में कौशल विकास संस्थान बनाने के नाम पर जून 2020 में यह जमीन आवंटित की गई थी, परन्तु संस्था ने इस भूमि पर प्ले स्कूल बनाने के नक्शे पेश किए हैं।**
- **मामला उजागर होने के बाद मंत्री धारीवाल के निर्देश पर सोमवार को आवासन मंडल के अधिकारियों ने इस एजुकेशन सोसायटी के प्रतिनिधियों की व्यक्तिगत सुनवाई की, अब भूमि आवंटन निरस्त करने का फैसला प्रमुख शासन सचिव के स्तर पर होगा।**

पिछले दिनों राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने भी इस आवंटन पर सवाल उठाते हुए मंत्री शांति धारीवाल पर चहेतों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि, धारीवाल ने कोटा निवासी अपने खास व्यक्ति अश्विनी को 45 करोड़ रुपये की यह बेशकीमती 2377 वर्गमीटर भूमि मात्र 6 करोड़ 18 लाख रुपये में आवंटित करवाई है। प्रताप नगर की राज आंगन सोसायटी में जहां यह जमीन आवंटित की गई है, वहां कौशल विकास जैसा कोई काम नहीं होता।

सांसद किरोड़ीलाल मीणा के इन आरोपों के बाद हरकत में आये हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन ने आनन-फानन में पूरे मामले की जांच करवाई। इसके बाद क्रमशः 9 जून और 19 जून को दो नोटिस आर.जी.मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी के सचिव को थमाए गए। जब अधिकारियों ने हकीकत खंगाली तो मालूम चला कि, इस संस्था ने जो नक्शा आवासन मंडल के समक्ष पेश किया है, वह कौशल विकास संस्था का न होकर किसी प्ले स्कूल जैसा है। इसके बाद संस्था से जवाब मांगा गया।

यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल के निर्देश पर उप आवासन आयुक्त के.सी.ढाका ने गत 19 जून 2023 के नोटिस में एजुकेशन सोसायटी के सचिव को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 23 जून का समय दिया गया।

सोमवार दोपहर 3 बजे इस मामले पर सुनवाई भी हुई, अब जमीन के आवंटन के निरस्तीकरण की फाइल नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव के पास पड़ी है, जहां इसके आवंटन को खारिज करने के संबंध में फैसला लिया जायेगा।

बताया जा रहा है कि, गत 30 मई 2023 को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने इस जमीन का आवंटन निरस्त करने के निर्देश दिए थे। भूखंड आवंटन नीति-2015 के प्रावधानों के अनुसार दो वर्ष की अवधि में निर्माण कार्य नहीं करने के कारण इस संस्था को आवंटित संस्थानिक भूखंड निरस्त करने का फैसला मंत्री स्तर पर लिया गया, लेकिन आवंटन रद्द करने से पहले एजुकेशन सोसायटी के सचिव को नोटिस देकर जवाब इसलिए मांगा गया, ताकि कोई कानूनी पेचिदगियों का सामना नहीं करना पड़े।

आवासन मंडल के अधिकारियों की मानें तो आर.जी.मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी को आवंटित 2377 वर्ग मीटर भूमि संस्थानिक थी, जो कि नियमानुसार संपत्ति आवंटन समिति की बैठक में 20 मार्च 2020 को आवंटित की गई थी, इसके बाद 12 जून 2020 को मंत्री शांति धारीवाल ने भी इसका अनुमोदन कर दिया था।

'एक माह में बंगला खाली करो तथा अब तक का किराया मय ब्याज, पैनल्टी अदा करो'

राज्य सरकार ने आई.ए.एस. नीरज के. पवन को अल्टीमेटम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जून। राजधानी जयपुर के प्रताप नगर स्थित राज आंगन योजना (एन.आर.आई. कॉलोनी) में किराये पर रह रहे आई.ए.एस. नीरज के. पवन को एक महीने के अंदर बंगला खाली करना होगा। उन्हें अब तक का किराया भी ब्याज-पैनल्टी के साथ राजस्थान आवासन मंडल को चुकाना पड़ेगा।

दरअसल पिछले दिनों राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल ने आई.ए.एस. नीरज के. पवन को किराये पर एन.आर.आई. कॉलोनी में आवास देने का मुद्दा उठाया था। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के निर्देश पर राजस्थान आवासन मंडल ने उन्हें नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा। आई.ए.एस. नीरज के. पवन द्वारा प्रस्तुत जवाब से असंतुष्टि जाहिर करते हुए अब उन्हें एक माह के भीतर आवास संख्या पी-21 खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा गया है कि इस आवास का कब्जा आवासन मंडल को सुपुर्द करने के साथ-साथ अब तक समस्त बकाया किराया मय ब्याज और पेनल्टी जमा करवाएं।

- **नीरज के. पवन को राज आंगन (एन. आर.आई. कॉलोनी) में सरकार ने पी-21 बंगला किराए पर दिया था, बंगले का स्वामित्व आवासन मंडल के पास है।**
- **राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल द्वारा आई.ए.एस. नीरज के. पवन को किराए पर आवास देने का मुद्दा उठाया गया था, उसके बाद नगर विकास मंत्री धारीवाल के निर्देश पर आवासन मंडल ने बंगला खाली करने का आदेश दिया है।**

राजधानी जयपुर में सोमवार की बारिश के साथ मानसून का शानदार आगमन हुआ। सुबह से ही जयपुर के आसमान में काले बादलों ने अपना डेरा डाल रखा था। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक रूक-रूककर हुई बारिश ने शहरवासियों को भिगोया। जयपुर में सोमवार शाम तक 6.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी जयपुर में मेघ गर्जन के साथ भारी बारिश की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है।

70 करोड़ रू. में बनी ओ.पी.डी. इमारतों की छतें टपकीं

कोटा, 26 जून (निसं)। नगर विकास न्यास द्वारा कोटा मैडिकल कॉलेज के जे.के.लोन और एम.बी.एस. अस्पताल परिसर में 70 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई दो नई बिल्डिंगों के घटिया निर्माण कार्यों की जमकर पोल खुल गई है। इन निर्माण कार्यों में एम.बी.एस. अस्पताल की ओ.पी.डी. बिल्डिंग और जे.के. लोन अस्पताल में ओ.पी.डी. -आई.पी.डी. ब्लॉक का निर्माण शामिल है। दोनों ही निर्माण कार्यों का जिम्मा यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने नगर विकास न्यास को सौंपा था।

- **छत पर जमा बारिश का पानी रिसकर अस्पताल के अंदर पहुंचा, अस्पताल में ना केवल जगह-जगह पानी भर गया, बल्कि करंट का खतरा भी पैदा हो गया है।**
- **ओ.पी.डी. इमारतों का निर्माण कार्य यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल के आदेश पर नगर विकास न्यास को सौंपा गया था।**

नगर विकास न्यास के कार्य की गुणवत्ता का नमूना दोनों बिल्डिंगों में वर्तमान में देखा जा सकता है। पूरे निर्माण की पोल पानी का रिसाव खोल रहा है। एम.बी.एस. अस्पताल में भी पानी बहकर आ रहा है। जे.के. लोन अस्पताल में फॉल सीलिंग से रिसाव हुआ। जिसके चलते मरीज और उनके तीमारदार और स्टाफ सभी परेशान हो रहे हैं। जे.के. लोन और एम.बी.एस. की दोनों नई बिल्डिंग इस साल ही शुरू की गई हैं। एम.बी.एस. अस्पताल में मई माह में ही ओ.पी.डी. ब्लॉक को शिफ्ट किया गया है। जबकि जे.के. लोन अस्पताल में जनवरी महीने में ओ.पी.डी. और आई.पी.डी. शिफ्ट हुए है। जे.के. लोन अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण बीते साल हो गया था। जबकि, एम.बी.एस. अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण इस साल ही पूरा हुआ था। ऐसे में निर्माण के पहले साल में ही पानी का रिस जाना बिल्डिंग की निम्न क्वालिटी को दर्शा रहा है।

एक मरीज के तीमारदार साजिद का कहना है कि, अस्पताल में घटिया निर्माण कार्य हुआ है। इसी के चलते पानी जगह-जगह जमा हो रहा है और रिसाव भी हो रहा है। इससे करंट का खतरा भी बना हुआ है। वहीं अन्य तीमारदार चेतन वर्मा का कहना है कि ठेकेदार और निर्माण करवाने वाले लोगों की गलती रही है। जे.के. लोन अस्पताल में रविवार रात को फॉल सीलिंग से ही भारी मात्रा में पानी बहने लगा। यह गलियारों और लिफ्ट में भी आने लगा था। जिसका वहां पर कार्यरत स्टॉफ ने वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पानी की वजह से तीसरे फ्लोर पर तीमारदारों के बैठने की जगह भी नहीं बन पा रही है। रात के समय उन्हें दूसरे फ्लोर पर ही इंतजार करना पड़ा।

ड्रेन चोक होने से छत में जमा हो गया था बारिश का पानीः- अधीक्षक डॉ.आशुतोष शर्मा का कहना है कि छत पर बारिश का पानी जमा हो गया था। उसकी निकासी नहीं हो पा रही थी। छत के कुछ ड्रेन भी चोक थे। इसके चलते जमा पानी ड्रेन और लिफ्ट की वायरिंग के बीच की जगह से फॉल सीलिंग में प्रवेश कर गया।

जहां से तीसरे फ्लोर का कुछ हिस्सा गिर गया है। छत पर जमा पानी की निकासी कर रहे हैं। हालांकि अब पानी नहीं आ रहा है। सभी ड्रेन की पूरी तरह से सफाई करा रहे हैं। डॉ. शर्मा ने दावा किया है कि वार्ड में किसी तरह का पानी नहीं गया। अस्पताल के नर्सिंग अधीक्षक शिव भगवान मीणा का कहना है कि छत भी कई जगह से खुदी हुई है इसको दुरुस्त करवाया जाएगा।

चीन ने भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समझते थे कि हमारा क्या-क्या दाँव पर लग गया है तथा हम हार के कितने नज़दीक पहुँच गये हैं, उन लोगों की बात कभी नहीं समझ पायेंगे, जो वागनराइट्स के जय-जयकार कर रहे थे और इस प्रकार से खुशी मना रहे थे, मानो किसी ने हुकुमत को चुनौती दे दी हो।

चीन सरकार के अखबार ''द ग्लोबल टाइम्स'' द्वारा प्रकाशित एक ओपिनियन पीस में इस अखबार के पूर्व कम्यूनिस्ट पार्टी सेक्रेटरी तथा इसके लेखक हू शीजिन ने वागनर लड़ाकों के हटने से पहले भविष्यवाणी की थी कि इस बगावत का रूस की स्थिरता पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा तथा प्रिगोज़न का बहुत ''दुखद'' अन्त होगा।

लेखक ने यह भी दावा किया था कि स्थिति ''इस दिशा की तरफ बढ़ रही है कि पश्चिम तथा यूक्रेन दोनों ही यह तर्क देना चाहेंगे कि यूक्रेन रूसी सेना को नहीं हरा सकता, इससे उसे ऐसे प्रयासों पर भरोसा करना होगा, जो ''रूस में अन्दरूनी अशान्ति पैदा कर सकें तथा उसे जारी रख सकें।''

इस घटना पर एक अन्य संपादकीय में, सरकार-संचालित चीनी दैनिक ने कहा कि इस बगावत के फलस्वरूप रूस और यूक्रेन के बीच शान्ति-वार्ता के प्रयास शुरु हो जायेंगे।

लेख में आगे कहा गया है, ''कोई भी देश, मॉस्को ने नाटक को देखते हुये, शाडनफ्रायड (दूसरों के दुर्भाग्य से प्राप्त आनन्द) के अनुभव का स्वाद बताने की स्थिति में नहीं हैं।

ऐसा लगता है मानो नदी के एक पार पर खड़े होकर दूसरी पार पर लगी आग को सुरक्षापूर्वक देखा जा रहा हो।

चीन यूक्रेन-संकट के राजनैतिक समाधान के लिये सभी पक्षों के साथ काम करने को तैयार है तथा चीन कूटनीतिक समझौतों की प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा इस संकट के निर्णायक समझौते के लिये सभी स्थितियों को पैदा करने तथा उन्हें एकत्रित करने के लिये तैयार है।''

'मैंने ही सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या करवाई'

नई दिल्ली, 26 जून। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में एक बड़ी खबर सामने आई है। कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि उसने ही सिद्धू मूसेवाला की हत्या कराई है। सिर्फ इतना ही नहीं, उसने यह भी कहा है कि फिल्म ऐक्टर सलमान खान भी उसके निशाने पर है। मौका मिलने पर जरूर मारेंगे। यह बात उसने एक समाचार चैनल के साथ बातचीत में कही है। गौरतलब है कि गोल्डी बराड़ भारत का मोस्ट वांटेड है और इंटरपोल ने भी उसके खिलाफ नोटिस जारी की है।इसके साथ ही गोल्डी बराड़ ने यह भी बताया कि उसने मूसेवाला की हत्या आखिर कराई क्यों थी? आज तक के साथ इंटरव्यू में मूसेवाला ने कहा कि मूसेवाला बिगड़ा हुआ था। उसके पास पैसे बहुत ज्यादा हो गए थे, इसलिए उसे घमंड हो गया था।

'ई.आर.सी.पी. बना दूंगा, 46 हजार करोड़ दे दूंगा, बस राज बना दो'

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है

नई दिल्ली, 26 जून। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का एक बयान सोशल मीडिया और खबरों में काफी चर्चा का विषय बन गया। शेखावत ने कहा कि, ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजैक्ट (ई.आर.सी.पी.) बना दूंगा, 46 हजार करोड़ दे दूंगा। बस राज बना दो। (मतलब की राजस्थान में भाजपा की सरकार बना दो)

केंद्रीय मंत्री शेखावत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियों में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कह रहे हैं कि, 46 हजार करोड़ रूपये दे दूंगा। राजेंद्र राठौड़ यानी नेता प्रतिपक्ष यहीं है राज बना दो।

- **यह वीडियो रविवार को सवाई माधोपुर के सर्किट हाउस में हुई भाजपा के एक कार्यक्रम का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कह रहे हैं कि, 46 हजार करोड़ रूपये दे दूंगा। राजेंद्र राठौड़ यानी नेता प्रतिपक्ष यहीं हैं राठौड़ का राज बना दो।**

दरअसल वायरल वीडियो रविवार को सवाई माधोपुर में सर्किट हाउस में स्थानीय नेताओं से मुलाकात के वक्त का बताया जा रहा है। जिसमें एक स्थानीय नेता ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि पूर्वी राजस्थान में ई.आर.सी.पी. प्रोजेक्ट की आवश्यकता के बारे में कहते हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत यह कहते हुए दिख रहे हैं कि राजेंद्र राठौड़ का राज लाओ और 46 हजार करोड़ ले जाओ। वायरल वीडियो में शेखावत कह रहे हैं- ईआरसीपी बना दूंगा, 46 हजार करोड़ दे दूंगा, राजेंद्र सिंहजी का राज बना दो। बता दें राजेंद्र सिंह राठौड़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। हालांकि, राष्ट्रदूत इस वायरल वीडियो की पूर्णतः पुष्टि नहीं करता है।

कांग्रेस ने वायरल वीडियो के जरिये प्रोजेक्ट को लेकर सवाल खड़े करते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने हिम्मत सिंह गुर्जर ने ट्वीट कर कहा संजीवनी घोटाले के आरोपी गजेंद्र सिंह शेखावत ने ईआरसीपी का काम रोका है। 13 जिलों की 40 प्रतिशत जनता से धोखा कर पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना लागू होने से रोकने वाले और इस परियोजना में सबसे बड़ा रोड़ा अटकाने वाला गजेंद्र सिंह शेखावत ही है। ठाकर साहब ऐसे बोल रहे हैं जैसे पैसा अपनी जेब से दे देंगे। उल्लेखनीय है कि, राजस्थान में ई.आर.सी.पी.बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे को लेकर सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री शेखावत के बीच ट्वीटर वार भी हो चुका है। सीएम अशोक गहलोत का कहना है कि पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान अजमेर और जयपुर की जनसभा में ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा किया था। लेकिन पीएम मोदी ने वादा पूरा नहीं किया है। राजस्थान से बीजेपी के 24 सांसदों ने कभी पीएम मोदी को अपना वादा याद नहीं दिलाया।

हिमाचल और उत्तराखण्ड में कई जगहों पर लैण्डस्लाइड, 700 से अधिक सड़कें बंद हुईं

शिमला/नैनीताल, 26 जून। बारिश के कारण हिमाचल और उत्तराखण्ड, दोनों पहाड़ी राज्यों में स्थिति काफी खराब हो गई है। हिमाचल प्रदेश में बारिश की वजह से मंडी जिले में पिछले 20 घंटे में लैंडस्लाइड की दूसरी घटना हुई। इसकी वजह से अचानक बाढ आ गई है।

हिमाचल में 2 नैशनल हाईवे सहित 380 सड़कें बंद हैं. ऐसे में 200 से अधिक लोग फंसे हुए हैं, जिनमें से कई पर्यटक हैं। वहीं उत्तराखंड में भी बारिश की वजह से लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। बरसात के बाद हाईवे सहित कई सड़कें बंद हो गईं हैं। सड़कें बंद होने की वजह से यूपी, दिल्ली-एनसीआर सहित अन्य राज्यों से पर्यटक और तीर्थ यात्री फंस गए हैं।

वागनर विद्रोह के बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेना में बगावती रुख की आलोचना की।

यह सामान्य व्यवहार है क्योंकि चीन रुस और उसके राष्ट्रपति के साथ ''असीमित मित्रता'' की घोषणा की थी। चीन कदापि भी रुस को कमजोर नहीं देखना चाहेगा।

चीन ने सोचा था कि पुतिन एवं रुस अमेरिका और पश्चिम के खिलाफ उसकी लड़ाई में मददगार होगा।

पर अब चीन के शी जिनपिंग के लिए पुतिन ''खराब बाज़ी'' की तरह है। भले ही पुतिन तख्तापलट की कोशिश से बाल-बाल बच गए हों लेकिन प्रिगोज़न को विश्वासघात के आरोपों और बगावत के दंड से मुक्ति देना दर्शाता है कि पुतिन की ताकत कितनी सीमित हो गई है।

कई लोग इंगित करते हैं कि सत्ता पर उनकी पकड़ व नियंत्रण फिलहाल तो नहीं ही है। पुतिन अजेय हैं, इस किंवदंती को दोबारा स्थापित करना कठिन हो सकता है। यह शी के लिए भी बड़ा नुकसान है।

यह इसलिए कि किसी तानाशाह या अधिनायकवादी का पतन चीन के नेतृत्व को भी भयभीत करता है। कुछ चीनी विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार यह हो गया तो इसका असर चीन पर भी पड़ सकता है। हाल ही में रुस के उपविदेश मंत्री दोस्ती और सद्भाव दर्शाने चीन आए और चीन के विदेशमंत्री से मुलाकात की।

पुतिन के प्रति चीन का खुला समर्थन शी के लिए जी का जंजाल बन गया है। यूक्रेन युद्ध के आरंभ से ही चीन का रुख ऐसा रहा कि जिसने इसे यूरोपियन यूनियन देशों के बीच अछूत बना दिया। प्रिगोज़न के ड्रामा ने रुस के लोगों को भयभीत कर दिया है। प्रिगोझिन की सेना जब मॉस्को की तरफ बढ़ रही थीं तब रुस का अभिजात्य वर्ग काफी डरा हुआ था। डरे हुए देशवासियों की हिम्मत बढ़ाने के लिए पुतिन राष्ट्रीय टी.वी. पर आए थे और बागियों को कठोर दंड देने का वादा किया था।

पर इसके थोड़ी देर बाद ही रुस के राष्ट्रपति प्रिगोज़न के खिलाफ सारे केस वापस लेने और उसे पड़ौसी देश बेलारुस जाने का सुरक्षित मार्ग देने पर मान गए। लेकिन संकेत है कि प्रिगोज़न वहां नहीं गए हैं क्योंकि वहां का राष्ट्रपति एलैक्जैंडर लुकाशेन्को पुतिन का करीबी है।

रुस में परम्परा है कि युद्ध हारने वालों को कड़ा दंड दिया जाता है। ऐसा 1905 में रुस जापान युद्ध के बाद हुआ था और 1917 की क्रांति के बाद भी हुआ था।

कुछ जानकार विशेषज्ञों का मत है कि यद्यपि रुस की आंतरिक सत्ता पर मंडराता खतरा टल गया है पर कटुसत्य यह है कि बगावत हुई और पुतिन बागियों को वह कठोर दंड नहीं दे सकते हैं जिसका उन्होंने वादा किया था, इससे निस्संदेह उनकी ताकत घटी है।

केरल स्टोरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए तैयार हो जाइए जो आपको निशब्द कर देगी। अपने कैलेण्डर में अप्रैल 2024 को मार्क कर लीजिए। विपुल अमृतलाल शाह, सुदीप्तो सेन, आशीन ए शाह, सनशाइन पिक्चर्स।''

निर्माताओं के अनुसार फिल्म एक घटना पर आधारित है। उन्होंने पोस्टर भी जारी किया, जिस पर लिखा है, गुप्त सत्य, जो देश को हिलाकर रख देगा। फिल्म का ब्यौरा नहीं दिया गया है। शाह व सुदीप्तो की पहली फिल्म केरल स्टोरी वर्ष 2023 की सफलतम फिल्मों में एक रही है। इसमें बताया गया था कि किस प्रकार महिलाओं का ब्रेन वॉश कर उन्हें आई.एस.आई.एस. में शामिल कर सीरिया व अफगानिस्तान भेजा गया।

केरल स्टोरी का जब से ट्रेलर आया था तब से यह विवादों का केन्द्र रही है। फिल्म के ट्रेलर में दावा किया गया था कि केरल से 32,000 महिलाएं गायब हैं, कईयों ने इस आंकड़े पर आपत्ति उठाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे तोड़ मरोड़कर प्रस्तुत कहानी की संज्ञा दी और अपने राज्य में इस पर बैन भी लगा दिया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रतिबंध हटाना पड़ा।

'केजरीवाल जानते हैं, उनकी ग्रोथ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

''आप के मुख्य प्रवक्ता ने आज जो कुछ कहा, वह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने (आप) तो सर्वदलीय मीटिंग वाले दिन भी कांग्रेस के खिलाफ बयान दिये थे।''

दिल्ली के कांग्रेस नेता अजय माकन, जिन्हें आप पार्टी सालों से फूटी आँख नहीं सुहा रही है, ने कहा, ''मूल बात यह है कि वे (केजरीवाल) जेल जाना नहीं चाहते, जिसके लिये सारी तैयारियाँ हो चुकी हैं क्योंकि वे भ्रष्टाचार में डूबे हुये हैं।''

केजरीवाल ने राजस्थान, जहाँ इस साल के अन्त में चुनाव होने हैं, में अपनी चुनावी सभा में पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुये कहा था, ''जब हम यहाँ आ रहे थे, हमने देखा कि गहलोत साहब ने पूरे गंगा नगर तथा इस स्टेडियम के चारों तरफ अपने पोस्टर लगवा दिये हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि अगर उन्होंने पिछले पाँच सालों में काम किया होता, तो उन्हें यह सब नहीं करना पड़ता।''

केजरीवाल ने आगे कहा था, दोनों ही पार्टियाँ (कांग्रेस और भाजपा) भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। वसुन्धरा राजे के शासनकाल में, अशोक गहलोत भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाया करते थे।..... जब अशोक गहलोत की सरकार सत्ता में आई, सचिन पायलट उनसे वसुन्धरा राजे को गिरफ्तार करने के लिये कहते रहे, लेकिन अशोक गहलोत ने कह दिया, ''मैं उन्हें गिरफ्तार नहीं करूँगा, वे मेरी बहिन की तरह हैं।''

संगठित विपक्षी मोर्चा के लिये आप और कांग्रेस को साथ-साथ लाना बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपने हाथ में लिया गया एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। दोनों पार्टियों में तभी से अनबन है, जब, करीब एक दशक पहले आप ने कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता से बेदखल कर दिया था और उसके बाद वह कांग्रेस की कीमत पर फलती-फूलती जा रही है। पिछले वर्ष पंजाब में मिली इकतरफा जीत के बाद, केजरीवाल का फोकस कांग्रेस-शासित राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ पर है।

अब, आप ने घोषणा कर दी है कि अगर कांग्रेस सार्वजनिक रूप से केन्द्र के उस अध्यादेश का विरोध नहीं करेगी, जिसके तहत दिल्ली की नौकरशाही का नियंत्रण केन्द्र ने अपने हाथों में ले लिया है, तो वह संगठित विपक्ष का हिस्सा नहीं बनेगी।

कांग्रेस अपने पत्ते बड़ी सावधानी से चल रही है तथा वह अध्यादेश के मुद्दे पर आप को समर्थन देने का वादा नहीं कर रही है। हालाँकि मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राहुल गांधी यह कह चुके हैं कि ''भाजपा द्वारा लाई गई किसी भी चीज'' का समर्थन करने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। लेकिन सच बात यह है कि अगर कांग्रेस ने अध्यादेश के मुद्दे पर आप का समर्थन नहीं किया या राज्यसभा और लोकसभा में इस मुद्दे पर होने वाले मतदान से स्वयं को और लोकसभा में इस मुद्दे पर होने वाले मतदान से स्वयं को अलग रखा तो यह एक राजनैतिक ''हारा-किरी'' होगी क्योंकि इसे संगठित विपक्ष के मिशन से दूर होना माना जायेगा।

यह चालाकी भरा दिमागी खेल खेलते हुये, केजरीवाल विपक्षी दलों की उस पहली गंभीर एवं ईमानदार कोशिश को ही नुकसान पहुँचा रहे हैं, जिसकी शुरुआत 23 जून को पटना में की गई है। वे जरुरत से ज्यादा स्मार्ट बनने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि यह अल्पकालीन राजनीति भाजपा को हटाने के उस बड़े एवं मुख्य उद्देश्य को ही नुकसान पहुँचायेगी क्योंकि भाजपा तो संघवाद के उन सिद्धांतों को ही नष्ट करने में लगी है, जो अकेले ही दिल्ली जैसे राज्यों के अधिकारों के संरक्षण के लिए पर्याप्त हैं।

एक दिन में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिवक्ता के रुप में वे, हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट, दोनों में, कई ''हाई प्रोफाइल'' केसों में उपस्थित हुईं, जिनमें, संसद भवन व लाल किला शूट आउट केस, जैसिका लाल मर्डर केस, नैना साहनी मर्डर केस और नीतीश कटारा मर्डर केस शामिल हैं।

ोमार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908**

MARUTI SUZUKI ARENA

अमृत उत्सव

इस बेहतरीन अवसर का फ़ायदा उठाएं! जल्दी करें!

ज़ीरो रजिस्ट्रेशन खर्च^

ज़ीरो डाउन पेमेंट^

अविश्वसनीय कीमतें

ALTO K10	S-PRESSO		CELERIO	
₹5 09 999*	₹5 59 999*	₹6 49 999*	₹5 99 999*	₹7 09 999*
VXI	VXI+	VXI CNG	VXI	VXI CNG

ALTO K10 S-PRESSO CELERIO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: JHUNJHUNU: AURIC MOTORS: 8955664400. **CHURU: TRS CHURU:** 9356501550. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE**:** 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION**:** 9001997116, 9001997113, 9587898054. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: 9116178527. BHAWANIMANDI: 9116178557. KHANPUR: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 6377715171. AHORE: 9015900500. SAYLA: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR**:** 7412075151. **AURIC MOTORS**: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: 9773364861. LALSOT: 9773364863. BANDIKUI: 9773364864. MAHWA: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: 9773364865. UNIARA: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: 7412077062. SAMBHAR: 7412068410. ACHROL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: 8058794021. BAGRU**:** 8058401166. KOTPUTLI**:** 8058794121. JOBNER: 8058796065. RENWAL**:** 8058600117. RENWAL-MANJHI: 8058794042. DUDU: 8058406655. PHAGI: 8058403338. KANOTA: 8058794167. TUNGA: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: 9549651924. CHAKSU: 9549651926. SHAHPURA: 8696925275. DEOLI: 8696934957. MALPURA: 9549650513. NIWAI: 9667777114. PAOTA: 9549650495. VIRATNAGAR: 6350612446. JAMWA RAMGARH: 6350612727. **SANGA AUTONATION:** 9057809150, 7734901000. **ALWAR: MG MOTORS:** 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: 9785644715.

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th June 2023 or till stocks last. Offers applicable on selected models and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purpose only. Offers shown above include Consumer Offer and Exchange Bonus. Prices mentioned are tentative and might vary basis applicable offers and registration cost. ^All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.